पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार की नीति 'बलात्कार संबंधी घटनाओं को कतई बर्दाश्त न करने' की है और इन मामलों से संबंधित मौजूदा कानूनों में संशोधन के लिए विधानसभा में विधेयक पारित किया जाएगा

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः257 दिनांकः29-08-2024 गुरूवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा के तंगधार इलाके में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रण रेखा के पास खुशाल पोस्ट पर गोलीबारी शुरू हुई। अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

बारिश से गुजरात में त्राहिमाम!

-कई जिलों में बाढ़ के हालात, 07 की मौत, सेना बचाव और राहत कार्य में जुटी

-गुजरात और महाराष्ट्र में भारी बारिश के साथ देश के 17 राज्यों में बारिश का अनुमान

नई दिल्ली/अहमदाबाद, (ईएमएस)। गुजरात में हुई भारी बारिश के चलते अनेक जिलों में बाढ़ के हालात हैं। सेना को बुलाया गया है और अनेक जगहों पर राहत व बचाव कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। बारिश के कारण गुजरात में त्राहिमाम की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने गुजरात और कर्नाटक में भारी बारिश के अलर्ट के साथ ही देश के 17 राज्यों के लिए बारिश होने का अनुमान जताया है।

गुजरात में लगातार हो रही बारिश से बुरा हाल है। कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। अनेक शहरों में जलभराव से बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है। इन दिनों मूसलाधार बारिश से अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा, आणंद, मोरबी, खेड़ा समेत तमाम शहरों में जीवन अफरा-तफरी वाला हो गया है। आमजन भारी बारिश की मार झेल रहा है। बारिष से परेशान लोगों का कहना है कि ऐसा लग रहा मानो जल प्रलय के दौर में आ गए हों। बारिश की वजह से अब तक 7 लोगों की मौत होने की खबर है।

गुजरात में बाढ़ के चलते अब तक करीब 15 हजार से भी अधिक लोगों को निचली बस्तियों से निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। वहीं करीब 300 लोगों को पानी में डूबने से बचाया गया है। आपात स्थिति को देखते हुए सेना बुलाई गई है, जो कि लगातार बचाव और राहत कार्य में जुटी हुई है। आगामी मौसम के हाल को देखते हुए 6 जिलों में सेना तैनात कर दी गई है। बहरहाल बारिश का खतरा अभी टला नहीं है, क्योंकि मौसम विभाग ने 22 राज्यों में आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया हुआ है। भारी बारिश के चलते वडोदरा के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है।

यातायात के साथ जनजीवन प्रभावित

भीषण बारिश के चलते यातायात तो ठप हो ही गया है, लेकिन इसके साथ ही जन-जीवन भी पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक, गुजरात में अब तक औसत वार्षिक वर्षा का करीब 100 फीसदी पानी बरस चुका है। कच्छ, सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात जिले में औसत वार्षिक वर्षा से 100 फीसदी से अधिक बारिश हो चुकी है।

अनेक राज्यों में बारिश से जूझ रहे लोग

देश के अनेक हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी है। मॉनसून की तेज रफ्तार उत्तर पश्चिम से लेकर पूर्वोत्तर तक मूसलाधार बारिश करवा रही है। दिल्ली, राजस्थान, गुजरात से लेकर महाराष्ट्र में भी बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। मॉनसून आने के साथ ही इन क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश के चलते हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। कहीं पर रेड अलर्ट है तो कहीं येलो अलर्ट। अब लोग बारिश थमने की प्रार्थना और दुआएं करते देखे जा रहे हैं। बारिश के चलते स्कूलों की छुट्टियां करनी पड़ रही हैं और लोगों को बिना जरूरत घर से बाहर न निकलने की चेतावनी दी गई है। राजस्थान और गुजरात में बारिश ने तांडव मचाया हुआ है। बारिश के चलते लोगों का जीना मुहाल हो गया है। बारिश से हर तरफ त्रहिमाम मचा हुआ है। देश के 17 राज्यों जिनमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, असम, ओडिशा, मेघालय, तेलंगाना, नगालैंड, हिमाचल प्रदेश केरल और पंजाब शामिल हैं में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त जम्मू-कश्मीर, पुडुचेरी और अंडमान निकोबार में भी भारी बारिश का अनुमान है।

कोलकाता रेप-मर्डर पर राष्ट्रपति, निराश और डरी हुई हूं... बस बहुत हो गया

ऐसी घटनाओं को भूलने की खराब आदत को सुधारना होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस के 20 दिन बाद बुधवार को पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा कि मैं घटना को लेकर निराश और डरी हुई हूं। अब बहुत हो चुका। समाज को ऐसी घटनाओं को भूलने की खराब आदत को बदलना होगा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि कोई भी सभ्य समाज अपनी बेटियों और बहनों पर इस तरह की अत्याचारों की इजाजत नहीं दे सकता। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जब स्टूडेंट्स, डॉक्टर्स और नागरिक कोलकाता में प्रोटेस्ट कर रहे थे, तब अपराधी दूसरी जगहों पर शिकार खोज रहे थे। पीड़ित में किंडरगार्टन की बच्चियां तक शामिल थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि लोगों को खुद से कुछ कठिन सवाल पूछना होगा। अक्सर घृणित मानसिकता वाले लोग महिलाओं को अपने से कम समझते हैं। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि निर्भया कांड के बाद 12 सालों में रेप की अनगिनत घटनाओं को समाज ने भुला दिया है। समाज की भूलने की यह सामूहिक आदत घृणित है। इतिहास का सामना करने से डरने वाला समाज ही चीजों को भूलने का सहारा लेता है।

'बंगाल जला तो यूपी, बिहार, दिल्ली और असम भी जलेंगे', ममता की चेतावनी - पीएम की कुर्सी हिला दूंगी

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म व हत्या की घटना को लेकर लगातार जारी विरोध प्रदर्शनों और भाजपा द्वारा बुधवार को बुलाए गए 12 घंटे के बंगाल बंद से भड़कीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कड़ी चेतावनी दी है।

तृणमूल छात्र परिषद के स्थापना दिवस पर यहां एक रैली में ममता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लेकर आरोप लगाया कि आरजी कर मामले में कुछ लोग अपनी पार्टी का इस्तेमाल करके बंगाल को अशांत करने के लिए आग लगवाने की कोशिश कर रहे हैं। बांग्लादेश में जारी हिंसा, उपद्रव को संदर्भ बनाकर राज्य में जारी विरोध प्रदर्शन के लिए भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए ममता ने स्पष्ट कहा, 'याद रखिए, अगर आपने बंगाल को जलाया तो असम, नॉर्थ-ईस्ट, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली भी जलेंगे। हम आपकी (पीएम) कुर्सी हिला देंगे।'

ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार की नीति 'बलात्कार संबंधी घटनाओं को कतई बर्दाश्त न करने' की है और इन मामलों से संबंधित मौजूदा कानूनों में संशोधन के लिए अगले सप्ताह राज्य विधानसभा में एक विधेयक पारित किया जाएगा, ताकि दुष्कर्म के अपराधियों के लिए मृत्युदंड सुनिश्चित किया जा सके। बनर्जी ने कहा कि यदि राज्यपाल संशोधित विधेयक को मंजूरी देने में देरी करते हैं या इसे अनुमोदन के लिए राष्ट्रपति के पास भेजते हैं तो वह राजभवन के बाहर धरने पर बैठेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस राज्य में शनिवार से जमीनी स्तर पर आंदोलन शुरू करेगी, ताकि बलात्कार के दोषियों को मृत्युदंड देने का कानून पारित करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाया जा सके।

ममता ने कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि यह (बंगाल) बांग्लादेश है। मुझे बांग्लादेश से प्यार है। वे हमारी तरह बात करते हैं और हमारी संस्कृति भी एक जैसी है। लेकिन, याद रखिए कि बांग्लादेश अलग देश है और भारत अलग देश है।

बंगाल में हिंसा का तांडवः बंद के विरोधी और समर्थक भिड़े, फायरिंग में दो घायल, कई गिरफ्तार

कोलकाता(ईएमएस)। भाजपा के आव्हान पर आज पश्चिम बंगाल बंद किया गया है। सड़कों पर बंद के समर्थक और विरोधी सड़कों पर उतरे हैं। भाजपा कार्यकर्ता बाजार और दुकाने बंद कराने के लिए सड़कों पर उतरे हैं जबकि टीएमसी कार्यकर्ता बाजार खोलने का दवाब बना रहे हैं। ऐसे में दोनों पक्षों में भिड़ंत भी हो गई। जिसमें ताबड़तोड़ की गई फायरिंग में दो भाजपा समर्थक बुरी तरह घायल हुए हैं। जिसे लहुलुहान की स्थिति में अस्पताल में भर्ती किया गया है। उधर पुलिस उपद्रव को नियंत्रित करने के लिए लगातार लोगों को हिरासत में ले रही है। जबकि बस चालक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हेलमेट पहनकर बस चलाने को मजबूर हुए हैं। बंगाल बंद के दौरान सबसे गंभीर घटना उत्तर 24 परगना जिले के भाटापारा से सामने आई है, जहां दो समूहों के बीच गोलीबारी हुई, जिसके बाद एक स्थानीय भाजपा समर्थक रबी सिंह को गोली लग गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बैरकपुर से पूर्व लोकसभा सदस्य और भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने दावा किया कि घायल समर्थक और उसके कुछ साथियों को तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर रोक लिया और उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। सिंह ने कहा, बंद को विफल करने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ता सुबह से ही इलाके में आतंक मचा रहे हैं। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने आरोपों से इनकार किया है।

अगर बंगाल में बंद के असर की बात करें, तो इसका मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। कहीं दुकानों के शटर गिरे नजर आ रहे हैं, तो कहीं खुले। इसके अलावा, लोग व्यवसायिक गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। लेकिन कुछ लोगों ने इस बंद के विरोध में दुकानें खोली। उनका कहना है कि हम इस बंद का पालन नहीं करेंगे। इसके अलावा, ड्राइवर भी गाड़ी चलाते नजर आ रहे हैं, लेकिन उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से हेलमेट पहना हुआ है। उनका कहना है कि अगर कहीं अप्रिय स्थिति पैदा होती है, तो हेलमेट उन्हें सुरक्षा प्रदान करेगा। बता दें कि पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले को लेकर बंगाल में तनाव जारी है। पहले छात्र समुदाय ने इस घटना के विरोध में 'नबन्ना मार्च' निकाला। इसमें हजारों की संख्या में छात्रों ने हिस्सा लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार की कार्यशैली पर गुस्सा जाहिर कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की और अब इसके बाद बीजेपी ने आज (बुधवार) पूरे बंगाल में बंद का आह्वान किया है, जिसका तृणमूल कांग्रेस ने विरोध किया है।टीएमसी के कार्यकर्ता सड़कों पर इस बंद का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर हमें देश को बचाना है, तो बीजेपी को हटाना पड़ेगा।

दिनाजपुर में आगजनी तो मुर्शिदाबाद में बीजेपी समर्थकों की पिटाई

बता दें कि नबन्ना मार्च में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई के बाद बीजेपी ने बंगाल बंद का आह्वान किया है। यह बंद 12 घंटे का है। टीएमसी इस बंद का विरोध कर रही है। ऐसी स्थिति में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त भी किए गए हैं। पुलिस हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए हुए है। इसके अलावा, उत्तर दिनाजपुर में बंगाल बंद के दौरान आगजनी की खबर सामने आई है, लेकिन अभी तक यह पता नहीं चला है कि आखिर इसे किसने अंजाम दिया। मुर्शिदाबाद में बीजेपी समर्थकों की पिटाई कर दी गई, वो लोगों से बंद करने की अपील कर रहे थे। बंगाल बंद पर बीजेपी नेता अग्निमित्रा पाल ने पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, इस सरकार का रवैया घिनौना है। सरकार कानून को नहीं मानती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की भी अवहेलना की है। यह सरकार महिलाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान करने अक्षम है। लिहाजा हमारा विरोध प्रदर्शन इस सरकार के खिलाफ जारी रहेगा।

प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने भी ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए नबन्ना मार्च के दौरान गिरफ्तार हुए छात्रों की रिहाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की तानाशाही अब नहीं चलेगी। उन्होंने राज्यपाल को पत्र भी लिखा है। उन्होंने कहा कि इस सरकार का विरोध जरूरी है।

आदमखोर भेड़ियों के खौफ में जी रहे 70 हजार ग्रामीण

6 बच्चों को मार चुका भेड़ियां

बहराइच (ईएमएस)। मैं अपने 7 साल के बेटे अयांश के साथ रात में आंगन में सो रही थी। तभी भेड़िया कब बच्चे को उठा ले गया, मुझे पता भी नहीं चला। जब नींद खुली तब देखा कि बेटा गायब था। घरवालों के साथ रातभर बेटे को खोजती रही, लेकिन नहीं मिला। सुबह गांव वालों ने बताया कि बेटे का शव खेत में पड़ा है। बेटे का पूरा सिर भेड़िया खा गया।

यह बातें रोती-बिलखती अयांश की मां रोली ने कही। वह बहराइच के खैरीघाट में रहती हैं। 48 घंटे में भेड़िए के हमले से यहां 2 लोगों की मौत हुई है। 47 दिन में भेड़ियों का झुंड 6 बच्चों सहित 7 लोगों का शिकार कर चुका है।

बहराइच की महसी तहसील में भेड़ियों का खौफ है। भेड़ियों का आतंक पहले 25 गांव से में ही था, लेकिन दो दिन में यह बढ़कर 35 गांव तक पहुंच गया। भेड़ियों का खौफ इतना है कि गांव वाले लाठी-डंडे लेकर रातभर पहरेदारी कर रहे हैं। वन और पुलिस विभाग के करीब 200 कर्मचारी खेतों और जंगलों में भेड़ियों की तलाश में जुड़े हैं। महसी से विधायक सुरेश्वर सिंह ने खुद बंदूक लेकर भेड़िए की तलाश की, लेकिन हमले के बाद भेड़िए जंगल में भाग जाते हैं।

आदमखोर भेड़ियों का शिकार बच्चे ज्यादा हो रहे हैं। इसके पहले 21 अगस्त की रात इसतरह की घटना गडरिया गांव में हुई थी। दादी और उसके दो जवान बेटों के बीच 8 साल की पोती खुशबू सो रही थी। रात करीब 11 बजे आदमखोर भेड़िए ने चुपके से हमला कर खुशबू को दबोच कर भाग गया। परिवार के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले वह आंखों से ओझल हो गया। रात भर पूरा गांव बच्ची की तलाश करता रहा। सुबह 1 किलोमीटर दूर उसकी लाश मिली। उसके शरीर का करीब 60 फीसदी हिस्सा खा गए थे। बहराइच की महसी तहसील के हरदी और खैरीघाट इलाके में 35 से ज्यादा गांव हैं, जहां करीब 70 हजार की आबादी है। ये लोग आदमखोर भेड़ियों के खौफ में जी रहे हैं। ज्यादातर गांव घाघरा नदी के किनारे बसे हैं। नदी के किनारे जंगल-झाड़ियां हैं। इसमें भेड़िए छिपे रहते हैं।

सीबीआई ने आयकर विभाग के प्रधान आयुक्त को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आयकर विभाग (पटना और धनबाद) के प्रधान आयुक्त और चार अन्य को विभिन्न करदाताओं से 10 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। सीबीआई अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि आयकर विभाग के प्रधान आयुक्त संतोष कुमार को 10 लाख रुपये की कथित अवैध रिश्वत के लेन-देन के दौरान गिरफ्तार किया। उनके साथ चार अन्य गुरपाल सिंह, राजीव कुमार, अशोक चौरसिया और प्रणय को भी गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि सीबीआई ने कुमार के खिलाफ एक शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायत में कहा गया है वह विभिन्न आयकरदाताओं से अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग कर उन्हें अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए कथित तौर पर रिश्वत मांग रहे थे और ले भी रहे थे। सीबीआई प्रवक्ता ने बताया कि यह भी आरोप है कि प्रधान आयकर आयुक्त (पटना और धनबाद) की तरफ से कई लोग काम कर रहे थे। सीबीआई ने गिरफ्तारी के बाद पटना, धनबाद और नोएडा में करीब 21 स्थानों पर छापेमारी की जिसमें आपत्तिजनक दस्तावेज और सामग्री बरामद हुई।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी के निर्माताओं को एसजीपीसी ने कानूनी नोटिस भेजा

नई दिल्ली (ईएमएस)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने कंगना रनौत की आगामी फिल्म इमरजेंसी के निर्माताओं को सिखों के चरित्र और इतिहास को गलत तरीके से पेश करने पर कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया है कि कट्टरपंथी सिख उपदेशक जरनैल सिंह भिंडरावाला और सिख समुदाय के किसी अन्य व्यक्ति ने कभी खालिस्तान की मांग नहीं की है। यह फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित है, जिनके शासन काल में 1975 में भारत में आपातकाल लगाया गया था।

इस फिल्म में कंगना रनौत इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। वह इस फिल्म की निर्माताओं में भी शामिल हैं। फिल्म का ट्रेलर 14 अगस्त को रिलीज हुआ था और फिल्म के 6 सितंबर को रिलीज होने की उम्मीद है। एसजीपीसी के कानूनी सलाहकार एडवोकेट अमनबीर सिंह सियाली द्वारा भेजे गए नोटिस में फिल्म निर्माताओं से फिल्म से सिख विरोधी भावनाओं को दर्शाने वाले दृश्यों को हटाने के लिए कहा गया है। ट्रेलर को सार्वजनिक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने के साथ-साथ सिख समुदाय से लिखित माफी मांगने की भी मांग की गई है।

एसजीपीसी ने कहा, ''ऐसे दृश्य दिखाए गए हैं जिनमें सिख पोशाक में कुछ किरदारों को असॉल्ट राइफलों से लोगों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया है।'' नोटिस में कहा गया है कि ऐसा कोई सबूत या रिकॉर्ड नहीं है जो साबित करता हो कि भिंडरावाले ने कभी किसी से ऐसे शब्द कहे हों। एसजीपीसी ने नोटिस में कहा है कि फिल्म सिख भावनाओं को ठेस पहुंचाने और सिख धर्म के बारे में गलत शिक्षा देने का एक साधन साबित होगी। नोटिस में कहा गया है कि फिल्म में सिख धर्म के इतिहास के काले दिनों को दिखाया गया है।

बॉम्बे हाई कोर्ट से पत्रकार को मिला न्याय.....महाराष्ट्र सरकार दे मुआवजा

मुंबई (ईएमएस)। जबरन वसूली के मामले में ठाणे के एक पत्रकार की गिरफ्तारी को अवैध बताकर बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि केवल अपराध के आरोप पर नियमित तरीके से कोई गिरफ्तारी नहीं की जानी चाहिए और पुलिस के लिए यह समझदारी होगी कि वह पहले इसकी सत्यता की जांच कर ले। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की खंडपीठ ने अपने फैसले में महाराष्ट्र सरकार को पत्रकार अभिजीत पडले को 25,000 का मुआवजा देने का निर्देश दिया, यह कहते हुए कि उन्हें तीन साल तक जेल में रखने के बाद उनकी स्वतंत्रता के अधिकार से वंचित कर दिया गया था।

अदालत ने पत्रकार को गिरफ्तार करने वाले शहर के वकोला पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों के आचरण की जांच शुरू करने आदेश दिया है। पडाले ने अपनी याचिका में उच्च न्यायालय से मामले में उनकी गिरफ्तारी और हिरासत को अवैध घोषित करने की मांग की थी क्योंकि पुलिस ने पहले उन्हें आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 41ए के तहत नोटिस जारी नहीं किया था। धारा 41ए के तहत, पुलिस किसी मामले में आरोपी व्यक्ति को अपना बयान दर्ज करने के लिए नोटिस जारी कर सकती है और उस व्यक्ति को तब तक गिरफ्तार नहीं होगी, जब तक कि पुलिस यह न मान ले कि गिरफ्तारी जरूरी है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि पडले के खिलाफ अपराध सात साल से कम कारावास से दंडनीय था और इसके बाद धारा 41ए के तहत पडले को नोटिस दिया जाना चाहिए था। पीठ ने कहा कि पुलिस ने नोटिस तैयार किया था लेकिन नोटिस तामील नहीं किया गया।

चार दिन में छोड़ दें असम, बाहरी मुसलमानों को मिल रही धमकी

-हिंदी भाषियों के खिलाफ 30 संगठन सड़क पर उतरे

गुवाहाटी,(ईएमएस)। नागांव दुष्कर्म मामले के बाद असम में अलग-अलग जगह बच्चियों और महिलाओं से यौन शोषण और छेड़छाड़ की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें हिंदी भाषी बाहरी आरोपी है। स्थानीय लोगों ने इसे अस्मिता का मुद्दा बना लिया है। ऊपरी असम के दस जिलों में मियां और मारवाड़ी समेत हिंदी भाषी बाहरियों के खिलाफ 30 संगठन सड़क पर उतर आए हैं। वह घर-घर जाकर दस्तक दे रहे हैं और मियांओं को असम छोड़ने की धमकी दे रहे हैं। इस मुहिम को 29 संगठनों का समर्थन मिला हुआ है, इनमें मुस्लिम संगठन, ऊपरी असम मुस्लिम कल्याण परिषद, असम सम्मिलित मुस्लिम परिषद भी शामिल हैं। असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा है, राज्य को मियां भूमि नहीं बनने दूंगा।

शिवसागर समेत सभी दस जिलों में पुलिस ने सामुदायिक तनाव फैलाने वालों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। इनके खिलाफ ऑपरेशन बॉन्ड शुरू किया गया है, जिसमें इन्हें नोटिस जारी हो रहे हैं। बीर लचित सेना, जातीय संग्रामी सेना, अखिल असम अनुसूचित जाति छात्र संस्था, ताई आहोम चरत्र समेत 27 संस्था प्रतिनिधियों को नोटिस मिल चुके हैं।

30 जातीय संगठनों ने एक मुस्लिम कांग्रेसी विधायक अब्दुल रशीद मंडल के शिवसागर जिले में घुसने पर पाबंदी लगा दी है। संगठन सीएम के उस बयान के बाद सड़कों पर उतर आया है जिसमें सीएम सरमा ने कहा था कि असम में लोकसभा चुनाव के बाद जिन क्षेत्रों में कांग्रेस ने अपना वोट शेयर बढ़ाया, वहां एक विशेष समुदाय को इतना साहस मिला कि वह अपना दबदबा बनाना चाहते हैं और महिलाओं पर अत्याचार इसी का परिणाम है।

अब मोहन भागवत को भी मिलेगी मोदी-शाह जैसी सुरक्षा

केंद्र ने आरएसएस प्रमुख की सिक्योरिटी बढ़ाई

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा को और मजबूत कर दिया है। उन्हें अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसी सुरक्षा मिलेगी। दरअसल, गृह मंत्रालय ने मोहन भागवत की सुरक्षा को जेड प्लस से बढ़ाकर एएसएल (एडवांस्ड सिक्योरिटी लिएज़ॉन) में बदल दिया है। बता दें कि आरएसएस प्रमुख को अभी तक जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी।

गृह मंत्रालय ने कई जगहों पर मोहन भागवत की सुरक्षा में ढिलाई देखी, जिसके बाद ही उन्होंने नए सुरक्षा प्रोटोकॉल पर काम करना शुरू किया और आरएसएस प्रमुख की सुरक्षा को और मजबूत करने का फैसला लिया गया। ऐसा बताया जा रहा है कि कई भारत विरोध संगठन उन्हें निशाना बना रहे हैं। उनकी सुरक्षा बढ़ाने जाने को लेकर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इसकी जानकारी दी गई है। अब नई सुरक्षा श्रेणी के अनुसार, सीआईएसएफ की टीम उस स्थान पर पहले से ही मौजूद रहेंगी, जहां मोहन भागवत दौरा करेंगे।

2015 में दी गई थी जेड-प्लस सुरक्षा

मोहन भागवत को जून 2015 में जेड-प्लस की सुरक्षा दी गई थी। इससे पहले कांग्रेस सरकार ने भी उन्हें जेड-प्लस सुरक्षा कवर देने का आदेश दिया था। हालांकि, उस समय केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने कर्मियों और वाहनों की कमी के कारण उन्हें जेड-प्लस सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई थी। जेड-प्लस सुरक्षा में 36 सुरक्षाकर्मी शामिल होते हैं जिसमें एनएसजी के भी 10 कमांडो होते हैं। बता दें कि एएसएल श्रेणी की सुरक्षा में संबंधित जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य और अन्य विभाग जैसी स्थानीय एजेंसियां शामिल होती हैं। जिस स्थान पर मोहन भागवत कार्यक्रम के लिए जाएगें, वहां पहले से ही एक टीम मौके का निरीक्षण करने जाएगी। उनके ग्रीन सिग्नल देने के बाद ही मोहन भागवत उस कार्यक्रम में शामिल होने जाएंगे।

हिमाचल में पंजाबी को दूसरी भाषा बनाने की मांग

पूर्व सीएम चन्नी बोले- मैं मुख्यमंत्री सुक्खू से मिला, विचार करने का दिया आश्वासन

जालंधर(ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से पंजाब के पूर्व सीएम और जालंधर लोकसभा सीट से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने दो दिन पहले मुलाकात की थी। ये मुलाकात हिमाचल प्रदेश के शिमला में हुई थी। इस मुलाकात का मकसद पंजाबी भाषा को बढ़ावा देना था।

कांग्रेस पार्टी से संबंध रखने वाले दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच पंजाबी भाषा को हिमाचल प्रदेश की दूसरी भाषा के तौर पर पहचान देने को लेकर चन्नी ने मुख्य मंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से चर्चा की है। इसे लेकर आज पूर्व सीएम और जालंधर से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने जानकारी सांझा की है। चन्नी ने कहा- हिमाचल प्रदेश में बड़ा तबका ऐसा जो पंजाबी भाषी है, जिसके चलते राज्य में पंजाब भाषा को दूसरी भाषा के तौर पर दर्जा दिया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजना को मंजूरी

28,602 करोड़ में बनेंगे 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर

- 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और 30 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजना को मंजूरी दी है। परियोजना के तहत 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और 30 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रोजेक्ट की कुल लागत 28,602 करोड़ होगी। इसमें 1.52 लाख करोड़ की निवेश क्षमता होगी। उन्होंने कहा कि ये औद्योगिक स्मार्ट सिटी नेशनल इंडस्ट्री डेवलपमेंट कॉरिडोर प्रोग्राम के तहत बनाए जा रहे हैं। इस योजना के जरिए 10 राज्यों को कवर किया जाएगा। इन्हें 6 प्रमुख कॉरिडोर के साथ रणनीतिक रूप से प्लान किया गया है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सरकार इन परियोजनाओं पर 28,602 करोड़ रुपये खर्च करेगी। कैबिनेट ने नेशनल इंडस्ट्री डेवलपमेंट कॉरिडोर प्रोग्राम के तहत 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर बनाने को मंजूरी दी है। ये औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब के राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र के दिघी, केरल के पलक्कड़, यूपी के आगरा और प्रयागराज, बिहार के गया, तेलंगाना के जहीराबाद, आंध्र प्रदेश के ओरवाकल और कोपार्थी के साथ ही राजस्थान के जोधपुर-पाली में डवलप किए जाएंगे। इन औद्योगिक केंद्रों में 1.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

आईटी इंजीनियर ने 15वीं मंजिल पर बने फ्लैट की बालकनी से कूदकर आत्महत्या की

नई दिल्ली (ईएमएस)। डिप्रेशन का सामना कर रहे एक आईटी इंजीनियर ने नोएडा सेक्टर-75 स्थित पंचशील प्रतिष्ठा सोसाइटी के 15वीं मंजिल पर बने फ्लैट की बालकनी से कूदकर जान दे दी। यह घटना मंगलवार की है। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या का कारण जानने के लिए सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पंचशील प्रतिष्ठा सोसाइटी के टावर संख्या आठ के फ्लैट नंबर 1508 में 36 वर्षीय पंकज पत्नी और बच्चे के साथ रहते थे। मंगलवार शाम 3 बजे के करीब 15वीं मंजिल से कूदकर पंकज ने आत्महत्या कर ली। किसी के गिरने की आवाज सुनकर सोसाइटी के सिक्योरिटी गार्ड भागकर घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक पंकज की मौत हो चुकी थी।

पंकज सेक्टर-126 स्थित एक कंपनी में आईटी इंजीनियर थे। पुलिस सोसाइटी के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाल रही है। जिस समय हादसा हुआ पंकज की पत्नी जालंधर गई हुई थीं। पत्नी को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। वह नोएडा के लिए निकल चुकी हैं।

बताया जा रहा है कि मैसेज और मेल के माध्यम से पंकज ने घटना के पहले पत्नी से संवाद भी किया था। मेल में पंकज ने अपने लैपटॉप समेत पासवर्ड और बैंक संबंधी जानकारी पत्नी को दी है। आत्महत्या के लिए इंजीनियर ने पत्नी से माफी भी मांगी है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पंकज बीते कुछ दिनों से डिप्रेशन की दवा भी ले रहे थे। वह मूलरूप से पंजाब जालंधर के रहने वाले थे।

राजविंदर सिंह भट्टी बने सीआईएसएफ के नए डीजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिहार के पुलिस महानिदेशक रहे राजविंदर सिंह भट्टी को सीआईएसएफ का नया डीजी बनाया गया है। वहीं दलजीत सिंह चौधरी बीएसएफ की कमान संभालते रहेंगे। आरएस भट्टी दिसंबर 2022 से बिहार के पुलिस महानिदेशक थे। भट्टी 1990 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं। उनका कार्यकाल 30 सितंबर 2025 तक सीआईएसएफ में होगा। आरएस भट्टी की छवि एक कड़क अधिकारी की रही है। बिहार के डीजीपी बनने से पहले वो पटना के सिटी एसपी और सीवान, पूर्णिया जिलों के एसपी रह चुके थे।

आईएमए ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की सदस्यता निलंबित की

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की सदस्यता निलंबित कर दी है। यह कदम इस महीने की शुरुआत में कोलकाता स्थित इस संस्थान में एक जूनियर डॉक्टर के साथ कथित बलात्कार और हत्या की सीबीआई जांच के बीच उठाया गया है।

आईएमए ने एक आदेश में कहा कि संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर.वी. अशोकन द्वारा बुधवार को गठित समिति ने स्नातकोत्तर रेजिडेंट डॉक्टर के बलात्कार और हत्या मामले तथा आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में उसके बाद के घटनाक्रम पर स्वतः संज्ञान लेते हुए विचार किया।

इसमें कहा गया है कि आईएमए महासचिव ने अशोकन के साथ मृत चिकित्सक के माता-पिता से उनके घर पर मुलाकात की थी।

आदेश में कहा गया, ''उन्होंने स्थिति से निपटने में आपके (घोष) खिलाफ अपनी शिकायतें रखीं, साथ ही उनके साथ अपने व्यवहार में अपनी जिम्मेदारी के अनुरूप उचित तरीके से मुद्दे को संभालने में सहानुभूति और संवेदनशीलता की कमी के बारे में भी बताया।''

इसमें कहा गया, ''आईएमए बंगाल राज्य शाखा के साथ-साथ डॉक्टरों के कुछ संघों ने भी आपके द्वारा पूरे पेशे को बदनाम करने की प्रकृति का हवाला देते हुए कार्रवाई की मांग की है।''

आदेश में कहा गया है कि आईएमए की अनुशासन समिति ने ''सर्वसम्मति से आपको इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की सदस्यता से तत्काल निलंबित करने का निर्णय लिया है।'' इससे पहले आईएमए को लिखे एक पत्र में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) ने घोष के संगठन के साथ जुड़े रहने पर चिंता व्यक्त करते हुए उनकी सदस्यता रद्द किये जाने की मांग की थी।

जन हितैषी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बढ़ेगी भारत में बेरोजगारी

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई का प्रयोग बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। विभिन्न उद्योग, मार्केटिंग, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सुरक्षा के क्षेत्र में बहुत क्रांतिकारी परिवर्तन भविष्य में आने वाले हैं। लगभग 10 फ़ीसदी इसका प्रभाव वर्तमान में देखने को मिल रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में रोग की पहचान, दवाइयां और इलाज के संबंध में विस्तृत जानकारी, मरीज की देखरेख एआई के माध्यम से महत्वपूर्ण सेवाएं जल्द शुरू होगी। एआई के माध्यम से टेली मेडिसिन, रिमोट सर्जरी के भी नए आयाम शुरू होंगे। इसमें डॉक्टर नर्स एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी हैं उसमें तकनीकि के माध्यम से बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। अभी जो कमी बनी हुई है, उसे आसानी से पूरा किया जा सकेगा। कृषि के क्षेत्र में भी बहुत बड़े परिवर्तन आने जा रहे हैं। एआई तकनीकी के माध्यम से फसल की उपज, मौसम की भविष्यवाणी, फसलों में लगने वाले कीट और उनका उपचार फसलों की उत्पादकता को बढ़ाने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। कृषि विज्ञान के छात्रों को पढ़ाई में इससे मदद मिलेगी। डेटा उपलब्धता और विविधता के कारण चैट वाटस और वर्चुअल असिस्टेंट में ग्राहकों की सेवाओं को बेहतर बनाया जा सकेगा। रक्षा के क्षेत्र में भी इसका बड़े पैमाने पर उपयोग होना शुरू हो गया है। इस तकनीकी के उपयोग से नैतिक और कानूनी चुनौतियां भी बढ़ेंगी। जिन पर विशेष सतर्कता की जरूरत होगी। एआई तकनीकी के माध्यम से मानव हस्तक्षेप कम होगा। स्वचालित प्रणाली का विकास होगा। ड्रोन और मानव रहित वहां एआई तकनीकी के माध्यम से सैकड़ों संचालित होंगी। एआई तकनीकी का साइबर सुरक्षा में बड़े पैमाने पर उपयोग होगा। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में इस तकनीकी के कारण कई चुनौतियों का सामना करने के लिए भी इस तकनीकी को जानना जरूरी होगा। एआई तकनीकी के माध्यम से सिस्टम स्वयं निर्णय लेता है। जिसके कारण मानव उपयोग कम होगा। रोबोट के माध्यम से विभिन्न सेवाओं के संचालित होने से बेरोजगारी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ेगा। इसका असर लॉजिस्टिक और सप्लाई के क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर होगा। शिक्षा के क्षेत्र में इसका बड़े पैमाने पर उपयोग होगा। छात्र-छात्राओं को मनवांछित जानकारी विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध होगी। परिवहन के क्षेत्र में भी इसी तकनीकी का उपयोग बड़े पैमाने पर होगा। सरकारी नीतियों, प्रशासन और व्यापारिक संगठनों द्वारा भी इसका बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाएगा। कुल मिलाकर एआई तकनीकी भविष्य की सबसे बड़ी जरूरत होगी। रोजगार के क्षेत्र में अब एआई तकनीकी के जानकारों का बोलवाला होगा। पांच दशक पहले जैसे टाइपिंग का ज्ञान होना आवश्यक था। तीन दशक पहले कंप्यूटर का ज्ञान बहुत आवश्यक होता था। अब कंप्यूटर के साथ-साथ एआई तकनीकी को जानना बहुत जरूरी होगा। इसी से रोजगार के अवसर मिलेंगे। एआई की जो नई क्रांति आई है। उसको नजर अंदाज करना अब संभव नहीं होगा। सुव्यवस्थित रूप से इसका इसका उपयोग करने पर भविष्य में बेहतर परिणाम नौकरी, व्यापार, सेवा, उत्पादन इत्यादि के क्षेत्र में होगा। इसके बिना प्रगति संभव नहीं होगी। परिवार, समाज, संगठन और सरकारों को भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए इस बदलाव पर काम करना होगा। एआई तकनीकी के माध्यम से सारी दुनिया के विविधता की जानकारी विभिन्न भाषाओं में कहीं पर प्राप्त की जा सकती है। जिस रूप में और जैसा आप चाहते है, एआई तकनीकी के माध्यम से वह तुरन्त उपलब्ध होती है। जिसके कारण एआई तकनीकी पर दिनों-दिन डिपेंडेंसी बढ़ती चली जाएगी। जिस तरीके से इसके परिणाम वर्तमान में देखने को मिल रहे हैं। उसके बाद ऐसा लग रहा है, भारत जैसे देश में मिडिल की पढ़ाई के साथ में एआई तकनीकी का कोर्स कराने की जरूरत होगी। भविष्य में जिस तरह की प्रतिस्पर्धा दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है। विविधता के साथ विभिन्न विषयों का ज्ञान एक स्थान पर एकत्रित हो चुका है। उसका किस तरह से उपयोग किया जाए, यह बाजारवाद के सिद्धांत पर आधारित होगी। अर्थात मांग और आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए इस तकनीकी के माध्यम से सभी कार्य बेहतर ढंग से बहुत कम समय में कराए जा सकेंगे। इसके लिए दक्ष मानव उपयोग जरूरी होगा। रोबोट एवं अन्य मशीनीकृत व्यवस्था एआई तकनीकी के माध्यम से अधिकांश काम होंगे। जिसके कारण दुनिया के देशों में बेरोजगारी बढ़ने का भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है। तकनीकि एवं संचार माध्यमों में जो परिवर्तन आ रहे हैं। उससे सभी को सजग होने की जरूरत है।

कर्मो से भाग्य बदल जाता है

जीवन का एक नियम है कि अगर तुम प्रतीक्षा कर सको तो सभी चीजें पूरी हो जाती हैं। आधुनिक मानव रातों रात सफल होना चाहता है सब्र नहीं करता संघर्ष नहीं करता और असफल हो जाता है। प्रतीक्षा का फल मीठा होता है इतिहास साक्षी है की दुनिया में सफल लोगों ने बहुत मेहनत करके मुकाम हासिल किया है। मुसीबतों से डरना नहीं चाहिए राह में कई मोड़ आते हैं आधीयां तूफान आते हैं ऐसे तूफानों का सामना करना चाहिए क्यूंकि तूफान थम जाता है हौसला रखना चाहिए डरना नहीं चाहिए डर के आगे जीत होती है। समय पर हर इच्छा पूरी हो जाती है। भाग्य को कर्मो से बदला जा सकता है अतीत बदल जाता है सच्चे मन कर्म करना पड़ता है बाधाओं को पार करना पड़ता है खून पसीना बहाना पड़ता है। भाग्य बदल जाता है हर दरवाज़े खुल जाते है सफलता की कुंजी मिल जाती है। असफलता भी बहुत कुछ शिक्षा देती है अथक मेहनत से सफलता मिल जाती है। समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकाक्षांओं को पूरा करें। समय के पाबंद बने। अगर समय के साथ नहीं चलोगें तो पिछड़ जाओगें। समय का प्रबंधन करें। समय सारणी बनाएं और हर पल का फायदा उठाएं। समय का सदुपयोग करें और अपने जीवन को खुशहाल बनाएं। समय सबसे बड़ा गुरु है। समय एक अनमोल पूंजी है। समय को जिसने भी बरबाद किया समय ने उसे भी बरबाद कर दिया। समय किसी का इंतजार नहीं करता। समय का सदुपयोग करोगे तो सफलता हासिल करोगे अगर समय का दुरुपयोग किया तो धराशायी हो जाओगे। वक्त का पहिया जब घूमता है तो कंगाल होने में देर नहीं लगती। मानव को हमेशा अतीत का आईना देखते रहना चाहिए ताकि अहसास होता रहे कि ऐसे भी दिन थे दिन एक जून की रोटी नसीब नहीं होती थी आज जब समय बदला तो अपना गुजरा हुआ वक्त भूल रहा है। आदमी भले ही कितना बड़ा बन जाए अतीत की परछाईयां उसका दामन नहीं छोड़ती मरते दम तक साथ रहती हैं। । वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए। आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए। किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है। समय के पास सबका लेखाजोखा है। मानव को समय से डरना चाहिए न जाने कब कैसा समय देखना पड़े। समय का मिजाज पता नहीं कब बदल जाए। समय ने बड़े से बड़े तानाशाहों को धूल चटा दी जो समय के खिलाफ चले थे मिटटी में मिल गए। आज मानव के पास अच्छा करने का समय ही नहीं है जबकि बुरा करने के लिए समय ही समय है। मानव कितन भी अमीर हो जाए अपना गुजरा हुआ समय नहीं खरीद सकता। आज लोग मोबाईल फोन पर समय बरबाद कर रहे है। चौबीसों घंटे सोशल मीडिया पर व्यस्त रहते है। समय की जिसने कदर की समय ने उसे उचाईयां दी है। मानव को चाहिए कि समय के हर एक मिनट और सैकंड व घंटों का सही सदुपयोग करे। जो समय के साथ निर्बाध गति से चला समय ने उसे मंजिल तक पहुंचाया है। समय से डरो अच्छे कर्म करो। जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए ,खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी। समय मानव को कई रंग दिखाता है। समय मानव की परीक्षा लेता रहता है। समय का सही मायने में सम्मान करो। समय अनमोल है व दुर्लभ है। सुख में तो सभी साथ होते है मगर दुख में साथ छोड देते है, आदमी आज गिरगिटों की तरह रंग बदलता है। आज मानव मतलब निकल जाने पर पहचानने से इन्कार कर देता है। आज मानव ने भले ही कितनी प्रगति कर ली है मगर सोच वही सामंतवादी है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है। वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए। ताकि विपतीयो का अहसास होता रहेआदमी को सादगी व उच्च विचारों मे विश्वास रखना चाहिए। समय यही सिखाता है कि किसी का समय बरबाद मत करो। समय कीमती है जिसने समय की कीमत जान ली है वह हर जगह सफल होता है। आज अच्छाई के लिए समय नहीं है। बुराई के लिए हर समय तैयार है। समय एक जैसा नहीं रहता आज अच्छा है कल का पता नहीं कैसा होगा। समय को पहचानो तभी समय आपको एक अलग पहचान देगा। समय रेत की तरह हर पल फिसल रहा है समय को बांधा नहीं जा सकता यह अटल सत्य है। समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है। समय से डरो, समय बदलता रहता है। (लेखक-नरेंद्र भारती/ईएमएस)

जम्मू-कश्मीर चुनाव से नये दौर की उम्मीद

जम्मू एवं कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव कराने की चुनाव आयोग की घोषणा निश्चित ही लोकतंत्र की जड़ों को मजबूती देने के साथ क्षेत्र के लिए विकास के नए दौर के द्वार खोलने का माध्यम बनेगी। जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें 43 जम्मू और 47 कश्मीर की सीटें हैं, इन चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग सक्रिय रूप से भाग लेकर और बड़ी संख्या में मतदान कर ऐसी सरकार बनाये जो शांति और विकास के नये द्वार उद्घाटित करते हुए युवाओं के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करे एवं आतंकमुक्ति का एक नया अध्याय रचे। आज सबकी आंखें एवं कान चुनावी सरगर्मियों एवं भविष्य के गर्भ में ईवीएम से निकलने वाले जनादेश पर लगी हैं। ये चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। इस बार के चुनाव अब तक हुए चुनावों से अलग है और खास है।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन भरने की आज आखिरी तारीख है, लेकिन तमाम बड़ी पार्टियों के बीच असमंजस और अनिश्चितता जैसे खत्म होने का नाम नहीं ले रही। हालांकि कुछ हद तक इस तरह की अनिश्चितता हर चुनाव में होती है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के मामले में हालात सामान्य से ज्यादा जटिल हैं और इस असमंजस के पीछे उसकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। विपक्षी खेमे में माने जाने वाले राज्य के तीनों प्रमुख दलों में सहयोग और संघर्ष दोनों का दिलचस्प घालमेल दिख रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच सभी 90 सीटों पर गठबंधन की घोषणा कर दी गई है, लेकिन आलम यह है कि पहले चरण की 24 सीटों का भी बंटवारा मुश्किल साबित हो रहा। पीडीपी इस गठबंधन से बाहर है। फिर भी मुद्दों की एकरूपता के चलते न सिर्फ उमर अब्दुल्ला उससे अपनी पार्टी के खिलाफ प्रत्याशी न खड़ा करने को कह रहे हैं बल्कि खुद महबूबा भी कह चुकी हैं कि अगर उनके अजेंडे को स्वीकार किया गया तो गठबंधन का समर्थन करेंगी। भाजपा किसी बड़े दल के साथ गठबंधन में नहीं है, इसलिए वहां इस तरह की गफलत नहीं है, लेकिन निर्णय लेना और उसे लागू करना वहां भी जटिल बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर में दस वर्ष बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा को अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर उसे जिस तरह वापस लेना पड़ा, उससे उसकी छिछालेदार तो हुई ही है, अनुशासित दल की उसकी छवि को धक्का भी लगा। स्थिति यह है कि पार्टी ने सोमवार को 44 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने के थोड़ी ही देर बाद व्यापक विरोध के कारण उसे वापस ले लिया। इसके बाद जो सूची जारी की गई, उसमें 15 ही प्रत्याशियों के नाम थे। यह आलम तब है, जब पहली सूची भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंजूर की गई थी।

यदि भाजपा औरों से अलग तथा अनुशासित दल की अपनी छवि के प्रति सचेत है तो उसे प्रत्याशी चयन की अपनी प्रक्रिया को लोकतांत्रिक आकार देना ही होगा। पहले जारी सूची का विरोध जिन कारणों से हुआ, उनमें एक तो दूसरे दलों से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाना रहा और दूसरे दोनों पूर्व उप मुख्यमंत्रियों का नाम न होना। लगता है भाजपा को अभी भी लोकसभा चुनावों में हुई गलतियों का आभास नहीं है। लोकसभा चुनाव में उसे दूसरे दलों के नेताओं को चुनाव मैदान में उतारने का किस तरह नुकसान उठाना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए जारी प्रत्याशियों की सूची का विरोध यह भी बताता है कि भाजपा प्रत्याशी चयन की कोई नीर-क्षीर, पारदर्शी और ऐसी प्रक्रिया का निर्माण नहीं कर सकी है, जिससे असंतोष, विरोध और भितरघात का सामना न करना पड़े। वैसे यह समस्या केवल भाजपा की ही नहीं, सभी दलों की है। कम से कम यह तो होना ही चाहिए कि राजनीतिक दल प्रत्याशियों के चयन में अपने जमीनी कार्यकर्ताओं की राय को महत्व दें। यह कठिन कार्य नहीं, लेकिन हमारे राजनीतिक दल आंतरिक लोकतंत्र विकसित करने से बच रहे हैं।

चुनाव अभियान प्रारम्भ हो रहा है। प्रत्याशियों के नामांकन हो रहे हैं। सब राजनैतिक दल अपने-अपने 'घोषणा-पत्र' को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बताकर सब समस्याएं मिटा देने तथा सब रोगों की दवा बन जाने की नैतिकता की बातें करते हुए व्यवहार में अनैतिकता को छिपायेंगे। टुकड़े-टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर एक होंगे। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षण व आवश्यकता बतायेंगे। इस बार दलों में जितना अन्दर-बाहर होता हुआ दिख रहा है, उससे स्पष्ट है कि चुनाव परिणामों के बाद भी एक बड़ा दौर असमंजस का चलेगा। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि ''अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।'' इसलिये प्रांत के लोगों को मतदान करते हुए विवेक का परिचय देना होगा।

इन चुनावों की जटिलता का अंदाजा इस बात से भी लगता है कि एक दशक पहले यानी 2014 में हुए विधानसभा चुनाव के समय अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जे से लैस जम्मू-कश्मीर अब विशेष राज्य के दर्जे से भी वंचित है। उस चुनाव में दो सबसे बड़ी और मिलकर सरकार बनाने वाली पार्टियां पीडीपी और भाजपा एक-दूसरे की धुर विरोधी हो चुकी हैं। राज्य में अब भाजपा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हिन्दू बहुल सीटों और कश्मीरी पंडितों के वोट बैंक को अपने खाते में डालने के इरादे से मैदान में उतर रही है और ऐसे में कांग्रेस की हालत खराब होना तय माना जा रहा है। भले ही सभी क्षेत्रीय पार्टियों ने भाजपा के साथ गठबंधन करने से इंकार कर दिया है, लेकिन भाजपा की मजबूत स्थिति को देखते हुए भविष्य में क्षेत्रीय दलों के भाजपा के साथ बहती हवा में जाने की संभावनाओं से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर एक राज्य के रूप में शुरू से विशिष्ट रहा है, इस दृष्टि से वहां होने वाले चुनाव भी विशेष एवं अन्य राज्यों से भिन्न है। बड़ी बात यह है कि पार्टियां एक-दूसरे के बारे में चाहे जो भी कहें, ये सभी भारतीय संविधान के तहत लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव में हिस्सेदारी कर रही हैं और जनादेश को भी स्वीकार करेंगी। निश्चित ही इन चुनाव परिणामों से उम्मीद जगी है कि यहां से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक विकास और शांति-समृद्धि-स्थिरता का नया दौर शुरू होगा। ऐसा होना ही इन चुनावों की सार्थकता है।

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेगी। मतदाता जहां ज्यादा जागरूक दिखाई दे रहा है, वहीं राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चतुर बने हुए दिख रहे हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें रखे हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ है। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा राज्य की एक करोड लाख पच्चीस लाख जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विकास एवं शांति की दिशा में। सभी नंगे खड़े हैं, मतदाता किसको कपड़े पहनाएगा, यह एक दिन के राजा पर निर्भर करता है। चुनाव घोषित हो जाने से तथा प्रक्रिया प्रारंभ हो जाने से जो क्रियाएं-प्रतिक्रियाएं हो रही हैं उसने ही सबके दिमागों में सोच की एक तेजी ला दी है। प्रत्याशियों के चयन व मतदाताओं को रिझाने के कार्य में तेजी आती जायेगी। परम आवश्यक है कि सर्वप्रथम राज्य का वातावरण चुनावों के अनुकूल बने। राज्य ने साम्प्रदायिकता, आतंकवाद तथा अस्थिरता के जंगल में एक लम्बा सफर तय किया है। उसकी मानसिकता घायल है तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। पुराने चेहरों पर उसका विश्वास नहीं रहा। अब प्रत्याशियों का चयन कुछ उसूलों के आधार पर होना चाहिए न कि जाति और जीतने की निश्चितता के आधार पर। मतदाता की मानसिकता में जो बदलाव अनुभव किया जा रहा है उसमें सूझबूझ की परिपक्वता दिखाई दे रही है। ये चुनाव ऐसे मौके पर हो रहे हैं जब राज्य लम्बे दौर की विभिन्न चुनौतियों से जूझने के बाद शांति एवं विकास की राह पर अग्रसर है। (लेखक-ललित गर्ग/ईएमएस)

बलात्कार, बंद और बीजेपी

आज का शीर्षक किसी आने वाली फिल्म का नाम नहीं है। ये शीर्षक भारतीय राजनीति में बलात्कार को लेकर राजनीतिक दलों के चरित्र को उजागर करती एक लघुकथा का नाम है। कोलकाता में एक महिला चिकित्सक के साथ ज्यादती के बादकी नृशंस वारदात के बाद बंगाल में भाजपा की राजनीति इतनी बढ़ गयी है कि अब मामला बंगाल बंद तक आ पहुंचा है । इससे पहले आरक्षण के मामले पर विभिन्न संगठनों ने भारत बंद किया था। यानि राजनीति में अब यदि आरक्षण की बात करना है तो आपको बंद करना होगा और यदि महिला उत्पीड़न की बात करना है तो आपको बंद का इस्तेमाल करना होगा। प्रतिकार के लिए शायद बंद के आव्हान से बेहतर कोई दूसरा तरीका नहीं है।

ऐसी लोक-मान्यता है कि यदि देश ,सूबा या कोई शहर बंद किया जाता है तो सत्ता प्रतिष्ठान के कान खुल जाते हैं ,आँखें खुल जाती हैं। लेकिन मेरा तजुर्बा कहता है कि ये धारणा उचित नहीं है । सत्ता प्रतिष्ठान को नींद से जगाने के लिए अब बंद कारगर हथियार नहीं रह गया है। फिर भी बंद का आव्हान किया जाता है। बीजेपी ने बंगाल बंद का आव्हान किया तो कम से कम मुझे तो हैरानी हुई ,क्योंकि महिला उत्पीड़न अब केवल बंगाल की समस्या नहीं है। पूरे देश की समस्या है। इसलिए यदि बीजेपी को बलात्कार या क़ानून और व्यवस्था के मुद्दे को लेकर बंद का आव्हान करना था तो उसे भारत बंद का आव्हान करना था ,क्योंकि बलात्कार केवल कोलकाता में ही नहीं हुआ। बलात्कार बीजेपी शासित राजस्थान में भी हुआ है,महाराष्ट्र के बदलापुर में भी हुआ है और मध्यप्रदेश के ग्वालियर में भी।

बलात्कार कम से कम भारत की एक राष्ट्रीय समस्या है। एनसीआरबी के आंकड़े ही सही मान लिए जाएँ तो इस देश में हर साल कम से कम 25 हजार महिलायें बलात्कार का शिकार होतीं है। ये तो वे महिलाएं हैं जो साहस कर पुलिस में रिपोर्ट करने पहुंचतीं हैं,बाकी इससे ज्यादा बलात्कार के मामले लोक -लाज,भय और असुरक्षा की वजह से रिपोर्ट ही नहीं होते। बलात्कार के मामलों को फास्ट कोर्ट में चलाने और आरोपियों की सजा दिलाने में हमारी सरकारें नाकाम रहीं है। अभियोजन अक्षम साबित हुआ है। कुल 27 फीसदी मामलों में ही आरोपियों को सजा मिली है। हमारी अदालतें तो बलात्कार के मामलों में सजायाफ्ता अपराधियों को फलरो के तहत बार-बार जमानत देने कि उदारता और दिखा रहीं है।

बलात्कार के बहाने से बीजेपी ने एक काम जरूर किया है कि यदि बलात्कार का आरोपी है तो उसके घरों को बुलडोज जरूर कर दिया है । बीजेपी का ये पुरुषार्थ भी विवादों की एक बड़ी वजह है । लेकिन बीजेपी भारतीय न्याय संहिता के तहत आरोपियों को दण्डित करने के बजाय बुल्डोजर संहिता पर ज्यादा भरोसा करती है। बलात्कार के मामलों को लेकर हमारी देश की अदलातों का व्यवहार भी सिलेक्टिव्ह जान पड़ता है। हमारी अदालतें कोलकाता के बलात्कार के मामले में सीबीआई को हड़काती है ,लेकिन ऐसा कितने मामलो में होता है। क्या सीबीआई हर मामले की जांच करने के लिए तैयार है ? क्या भाजपा द्वारा नियुक्त तमाम राज्यपाल बलात्कार पीड़ितों के परिजनों से उसी तरह मिलने के लिए राजी हैं जैसा की वे कोलकाता में कर रहे है ?

बलात्कार के नाम पर बंद की राजनीति ही नहीं बल्कि राज्यपालों की राजनीती भी बंद होना चाहिए । भारत में ऐसा कौन सा राज्य है जहां बलात्कार नहीं होते । जहाँ कोलकाता से ज्यादा जघन्य वारदातें नहीं होतीं ? बलात्कार एक सामाजिक विकृति का मुद्दा है। क़ानून और व्यवस्था का मुद्दा है ,राजनीति का मुद्दा नहीं। यदि बलात्कार के मुद्दे पर बीजेपी राजनीति करती है तो भी बुरी बात है और यदि कांग्रेस करती है तो भी बुरी बात है। बुरी बात तो बुरी बात ही है ,चाहे फिर कोई भी राजनीतिक दल हो। राजनीति का मुकाबला राजनीति से हो ,कार्यक्रमों से हो ,नीतियों से हो न की मुकाबला करने के लिए बलात्कार जैसी घृणित वारदात का इस्तेमाल राजनीति के लिए किया जाये।

बंगाल जीतना बीजेपी का एक पुराना सपना है ,लेकिन दस साल केंद्र की सत्ता में रहने के बावजूद बीजेपी बंगाल नहीं जीत पायी है। साम,दाम,दंड और भेद से भी नहीं जीत पायी। राज्यपालों के दुरूपयोग से भी नहीं जीत पायी। अब बंगाल में बार-बार खेत होती रही बीजेपी बलात्कार के मुद्दे पर बंद का आयोजन कर बंगाल को जीतना चाहती है। लेकिन बंगाल को जीतना यदि इतना ही आसान होता तो महाबली अमितशाह वहां परास्त न होते। बंगाल जीतने का सपना पूरा न होने से बीजेपी हताश है और हताशा में ही बीजेपी घृणित राजनीति पर उतर आयी है। बीजेपी का दर्द इसलिए और ज्यादा है कि उसे बंगाल में बार-बार एक महिला मुख्यमंत्री से पराजित होना पड़ रहा है।

बीजेपी को महिलाएं नेतृत्व करती अच्छी नहीं लगतीं ,भले ही बीजेपी की सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित कराया हो। बीजेपी ने स्वर्ग जा चुकी श्रीमती सुषमा स्वराज को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया । उमा भारती को घर बैठा दिया । मायावती को कहीं का नहीं छोड़ा। मेहबूबा मुफ़्ती का मुख्यमंत्री बने रहना बीजेपी को पसंद नहीं आया । कांग्रेस की चेयर पर्सन रही श्रीमती सोनिया गाँधी तक को जर्सी गाय कहकर अपने महिला विरोधी चरित्र का मुजाहिरा किया है। बंगाल में बीजेपी जीते ,जरूर जीते लेकिन किसी महिला के उत्पीड़न को औजार बनाकर नही। बीजेपी जिस तरीके से बंगाल में लड़ रही है ,जरा दक्षिण के राज्यों में भी लड़कर दिखाए। लेकिन ये हो नहीं सकता ,क्योंकि बीजेपी आखिर बीजेपी है।

आपका पता नहीं ,लेकिन मुझे हमेशा ये लगता है कि बीजेपी लोकसभा चुनाव में अपनी पराजय के दर्द से अभी तक उबरी नहीं है । । जबकि उसे अपनी पराजय के दर्द को भुला देना चाहिए ,क्योंकि अंततोगत्वा देश में सत्ता के शीर्ष पर भाजपा ही है ,भले ही उसकी मांग में जेडीयू और टीडीपी से उधार लिया हुआ सिन्दूर भरा हुआ है ,लेकिन है तो बीजेपी सौभाग्यवती राजनितिक पार्टी। अब ये उसके नेतृत्व के ऊपर है कि वो हिकमत अमली से अपनी लूली-लंगड़ी सरकार पूरे पांच साल चलाना चाहती है या बीच में ही रणछोड़ बनना चाहती है। बीजेपी को अब ये हकीकत स्वीकार कर लेना चाहिए कि भविष्य में वो 2014 या 2109 का इतिहास तो नहीं दोहरा सकती।बीजेपी को जितना आसमान छूना था ,सो छू चुकी है। अब कहीं की ईंट और कहीं के रोड से बीजेपी का किला महफूज रहने वाला नहीं है। फिर चाहे रोड का नाम चम्पाई सोरेन हो या नीतीश कुमार।(लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

हरमनप्रीत को टी20 विश्वकप जीतने का भरोसा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि इस बार उनकी टीम का लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना रहेगा। टी20 विश्वकप अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। हरमनप्रीत का मानना है कि यूएई के हालात उनकी टीम के लिए लाभप्रद रहेंगे। हरमनप्रीत ने कहा, 'जब भी हम विश्व कप जैसे किसी आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं तो हमारा लक्ष्य बेहमतर प्रदर्शन करना रहता है। साथ ही कहा कि हमने पूर्व में भी हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है और उम्मीद करते हैं कि इस बार भी हम अंतिम बाधा को पार करने में सफल रहेंगे और खिताबी जीत हासिल करेंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि टूर्नामेंट के आयोजन स्थल में बदलाव से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि यूएई के मैदान भारत के जैसे ही हैं।

उन्होंने कहा, 'हमने यूएई में काफी क्रिकेट नहीं खेला है पर यूएई की परिस्थितियां हमारे यहां के समान ही नजर आती हैं। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम 2020 टी20 विश्व कप के फाइनल में हार गयी थी पर इस बार वह कोई गलती नहीं करना चाहतीं। उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे कि वहां के हालात कैसे होते हैं, हम जितनी जल्द हो हालात से तालमेल बैठाने के पूरे प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि हालात चाहे जैसे भी हों टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के प्रयास करेगी। उन्होंने कहा, 'एक टीम के रूप में, हम अपनी असफलताओं से ही सीखते हैं और उन बाधाओं को तोड़ते हैं जो हमें पीछे करती रही हैं। उम्मीद है कि इस बार हम विश्व कप में और अधिक सकारात्मक तरीके से खेलेंगे।

शब्द पहेली - 8112

बाएँ से दाएँ

1.सरस्वती-3
3.किनारा,तट-3
5.मूल्य,कीमत-2
6.उस समय-2
8.प्रबंध,व्यवस्था-4
10.नमक-3
11.अधीन,मातहत-3
12.संज्ञा,संबोधन-2
13.मार्ग,रास्ता-2
14.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16.धुन,आसक्ति-3
18.जमानत-4
20.रहस्य-2
22.पुत्र,तनय-2
23.मुलायम-3
24.गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1.संध्या,सांझ-2
2.असुर,दैत्य-3
3.शोरबा,रसा-3
4.बुरी आदत-2
5.प्रवेश,एडमिट-3
7.वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8.प्रियतम,साजन-4
9.अनाज-2
11.सनसनी,रोमांच-4
14.तृतीय-3
15.सच्चाई,सत्य-2
17.जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18.मुंशी,दीवान-3
19.रवैया,तरीका-3
21.आम जनता-2
22.लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8111 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

जय शाह से पहले ये चार भारतीय भी बने थे आईसीसी प्रमुख

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये चेयरमैन बनाये गये हैं। 35 साल के जय शाह दिसंबर में ये पद संभालेंगे। इस प्रकार वह इस पद पर बैठने वाले सबसे कम उम्र के आईसीसी प्रमुख होंगे। गत दिवस ही उन्हें आम राय से आईसीसी का नया चेयरमैन चुना गया वह आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय होंगे। इससे पहले भारत के ही जगमोहन डालमिया, शरद पवार , एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर भी आईसीसी प्रमुख रहे हैं।

जगमोहन डालमिया : आईसीसी प्रमुख बनने वाले पहले भारतीय थे। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष जगमोहन डालमिया को साल 1997 में आईसीसी अध्यक्ष चुना गया था। वह तीन साल तक इस पद पर बने रहे। डालमिया आईसीसी की कमान संभालने वाले पहले एशियाई थे। उनके समय ही बांग्लादेश को टेस्ट दर्जा मिला था।

शरद पवार : आईसीसी चेयरमैन बनने वाले दूसरे भारतीय शरद पवार थे। साल 2010 में उन्होंने ये पद संभाला था।

एन श्रीनिवासन : बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन आईसीसी प्रमुख बनने वाले तीसरे भारतीय रहे हैं। जून 2014 को उन्हें ये पद संभाला था। उनको एक साल बाद ही साल 2015 में पद छोड़ना पड़ा था।

शशांक मनोहर : वहीं आईसीसी में सबसे लंबे समय तक काम करने वाले भारतीय शशांक मनोहर रहे हैं। नवंबर 2015 में उनको श्रीनिवासन की जगह चेयरमैन बनाया गया था। वह 30 जून 2020 तक इस पद पर रहे। गत दिवस ही उन्हें आम राय से आईसीसी का नया चेयरमैन चुना गया वह आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय होंगे। इससे पहले भारत के ही जगमोहन डालमिया, शरद पवार , एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर भी आईसीसी प्रमुख रहे हैं।

इंग्लैंड के क्रिकेटर डेविड मालन ने संन्यास लिया

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के आक्रामक क्रिकेटर डेविड मालन ने खेल को अलविदा कह दिया है। विश्व के पूर्व नंबर 1 बल्लेबाज मालन ने विभिन्न प्रारूपों में 100 से अधिक मैच खेले है। इस दौरान उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। मालन ने जून 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी20 खेला। इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड की ओर से अपने पहले ही मैच में 44 गेंदों पर 78 रन बनाए। उन्होंने 62 टी20आई में 1892 रन बनाए। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 103 रन रहा।

मालन को इंग्लैंड के लिए अपना पहला एकदिवसीय खेलने आ अवसर 2019 में मिला। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने करियर में 30 एकदिवसीय खेले जिसमें उन्होंने 55.76 की औसत और 97.44 की स्ट्राइक रेट से 1450 रन बनाए। उन्होंने जून 2022 और सितंबर 2023 के बीच 15 पारियों में पांच शतक बनाए।

मालन सितंबर 2020 में टी20आई क्रिकेट के लिए आईसीसी की बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे। इसके बाद मार्च तब इस बल्लेबाज ने केवल 24 पारियों में इस प्रारूप में 1000 रन बना दिये। वह 2022 में इंग्लैंड की विश्व कप विजेता टीम में भी शामिल थे पर चोटिल होने के कारण बाहर हो गये थे।

जोकोविच ने 89वीं जीत के साथ ही फेडरर की बराबरी,गॉफ भी अगले दौर में पहुंची

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। सर्बियाई टेनिस स्टार और ओलंपिक स्वर्ण विजेता नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन टेनिस में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने पुरुष एकल के पहले दौर के मैच में मोल्दोवा के क्वालीफायर राडू अल्बोट को 6-2, 6-2, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाने के साथ ही अपना 89वां मैच जीत कर स्विटजरलैंड के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। वहीं महिला एकल में जीत के साथ ही अमेरिका की कोको गॉफ दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। कोको ने पहले दौर के मैच में वरवरा ग्रेचेवा को असानी से 6-2, 6-0 से हराया। गॉफ पिछले कुछ समय से जीत के लिए संघर्ष कर रही थी पर यहां उन्होंने शुरू से लेकर अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी।

जोकोविच का अगला मुकाबला सर्बिया के उनके हमवतन लास्लो जेरे से होगा जिन्होंने एक अन्य मैच में जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-7 (7), 6-1, 6-7 (7), 6-4, 6-2 से हराया। अमेरिका के ही बेन शेल्टन ने पुरुष एकल में अपने से अधिक वरीयता वाले डोमिनिक थिएम को 6-4, 6-2, 6-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। थिएम ने इस मैच के साथ ही खेल को अलविदा कह दिया। उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस सत्र के बाद वह संन्यास ले लेंगे। पुरुष वर्ग में जिस वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा वह 15वें वरीय होल्गर रूण थे, जिन्हें अमेरिका के ब्रैंडन नकाशिमा ने 6-2, 6-1, 6-4 से हराया। पुरुष वर्ग में अलेक्जेंडर ज्वेरेव, एंड्री रुबलेव, कैस्पर रूड, वह ग्रिगोर दिमित्रोव भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं।

वहीं महिला एकल में स्लोएन स्टीफंस को क्लारा ब्यूरेल से 0-6, 7-5, 7-5 से हार झेलनी पड़ी।

इसके अलावा झेंग क्विनवेन, डोना वेकिच, डारिया कसाटकिना और मैडिसन कीज़ भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गयीं।

टी20 महिला विश्व कप के अभ्यास मैच 28 सितंबर से शुरु, भारत का पहला मुकाबला वेस्टइंडीज से

सभी टीमें दो-दो अभ्यास मैच खेलेंगी

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 महिला विश्व के लिए अभ्यास मैचों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें भारतीय टीम वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से दुबई में दो अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय टीम का पहला अभ्यास मैच 29 सितंबर को वेस्टइंडीज जबकि एक अक्टूबर को वह दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। महिला टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली सभी 10 टीमों को दो-दो अभ्यास मैच खेलने को मिलेंगे। पहला अभ्यास मुकाबला 28 सितंबर को पाकिस्तान और स्कॉटलैंड और श्रीलंका व बांग्लादेश के बीच होगा। वहीं गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 29 सितंबर को इंग्लैंड से खेलेगी। इसके बाद उसका सामना एक अक्टूबर को दुबई में वेस्टइंडीज से होगा। अभ्यास मैच 20 ओवर के होंगे और इसमें प्रत्येक टीम अपने सभी 15 खिलाड़ियों को मुकाबले में उतार सकेगी। ।

किसी भी ग्रुप की दो टीम अभ्यास मैच के दौरान एक दूसरे से नहीं खेलेंगी। इसमें भारत को ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है जबकि। ग्रुप बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और बांग्लादेश की टीमें रहेंगी। विश्वकप के मुख्य मुकाबले तीन अक्टूबर से शुरु होंगे।

अभ्यास मुकाबलों का कार्यक्रम इस प्रकार है :

28 सितंबर : पाकिस्तान बनाम स्कॉटलैंड (सेवेंस, दुबई)
28 सितंबर : श्रीलंका बनाम बांग्लादेश (आईसीसीए 1, दुबई)
29 सितंबर : न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका (सेवेंस, दुबई)
29 सितंबर : भारत बनाम वेस्टइंडीज (आईसीसीए 2, दुबई)
29 सितंबर : ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड (आईसीसीए 1, दुबई)
30 सितंबर : श्रीलंका बनाम स्कॉटलैंड (सेवेंस, दुबई)
30 सितंबर : बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान (आईसीसीए 2, दुबई)
एक अक्टूबर : वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया (सेवेंस, दुबई)
एक अक्टूबरः इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड (आईसीसीए 2, दुबई)
एक अक्टूबरः दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत (आईसीसीए 1, दुबई)

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट से हराया

3-0 से सीरीज जीती

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। वेस्टइंडीज ने वर्षा बाधित तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में भी मेजबान दक्षिण अफ्रीका की टीम को आठ विकेट से हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। तीसरे और अंतिम मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 13 ओवर में 4 विकेट पर 118 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले संशोधित लक्ष्य 116 रन को वेस्टइंडीज ने 9.2 ओवर में ही दो विकेट पर हासिल कर लिया।

इस प्रकार तीन मैचों की इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीकी टीम एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई। बारिश की वजह से तीसरे टी20 मुकाबले में 13-13 ओवर ही खेले गये। ऐसे में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ने ट्रिस्टन स्टब्स के 40 रनों की सहायता से 4 विकेट पर 118 रन बनाए। डकवर्थ लुईस नियम के मुताबिक वेस्टइंडीज के सामने जीत के लिए 116 रन का संशोधित रखा गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए शाई होप ने 24 गेंद पर 42 रनों की आक्रामक पारी खेली। वहीं निकोलस पूरन ने 13 गेंद पर 35 रन बनाकर मैच पर कब्जा जमा लिया। अंत में शिमरोन हेटमायर ने तेजी से 31 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से बाजार ऊपर आया है। आज कारोबार के दौरान आईटी और फार्मा क्षेत्र में तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 73.80 अंकों की बढ़त के साथ ही 81,785.56 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 34.60 अंकों की तेजी के साथ ही 25,052.35 के लेवल पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान

निफ्टी मिडकैप में 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ ही व्यापक सूचकांक भी निचले स्तर पर बंद हुए। सेक्टोरल इंडेक्स में भी आज कुछ ही क्षेत्रों में बढ़ती रही। सबसे ज्यादा उछाल निफ्टी आईटी में1.66 फीसदी की रही। निफ्टी फार्मा सेक्टर में भी 1.21 फीसदी का उछाल आया। बाजार जानकारों के अनुसार निफ्टी में बढ़त विदेशी निवेशकों के शुद्ध खरीदार बने रहने और अगले महीने अमेरिकी फेड की तरफ से नीतिगत ब्याज दरों में कमी की उम्मीद से आई है। आज कारोबार के दौरान निफ्टी के जिन शेयरों में आज सबसे ज्यादा उछाल रहा वे हैं एलटीआई माइंडट्री। इसके शेयर 6.31 फीसदी बढ़कर 6,114.60 रुपये पर बंद हुए। इसके अलावा, विप्रो डिविज लैब , भारती एयरटेल और इंफोसिस के शेयर शीर्ष पर रहे। इसमें 3.71 फीसदी, 2.71 फीसदी, 2.05 फीसदी और 1.99 फीसदी की तेजी रही।

निफ्टी मीडिया में आज सबसे ज्यादा 1.41 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों में सबसे ऊपर मारुति सुजूकी के शेयर रहे। इनमें 1.34 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, अदाणी एंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस और ब्रिटानिया के शेयर भी गिरे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार मामूली बढ़त के साथ खुला। शुरुआत में ही सेंसेक्स 74.59 अंक करीब 0.09 फीसदी बढ़कर 81,786.35 अंक पर जबकि निफ्टी 19.50 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी ऊपर आकर 25,037.30 अंक पर कामकाज कर रहा था। आज सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स करीब 20 अंक नीचे आकर 24,998 पर कारोबार कर रहा था जिससे अंदाजा होता है कि बाजार में नकारात्मक माहौल है।

वहीं एशियाई बाजार में गिरावट रही। ऑस्ट्रेलिया के मुद्रास्फीति डेटा से पहले एएसएक्स 200 0.47 फीसदी नीचे आया। निक्केई में 0.21 फीसदी और कोस्पी में 0.27 फीसदी की गिरावट रही। फेड चेयर जेरोम पॉवेल के इस बयान के बाद किकेंद्रीयबैंक नीतिगत ब्याज दरों में कटौती के लिए तैयार है।बाजारों को मौद्रिक नीति में शीघ्र ही बदलाव होने की उम्मीद है। गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। इस दौरान एसएं डपी 500 0.16 फीसदी बढ़ा,जबकि डॉव जोन्स 0.02 फीसदी और नैस्डैक 0.16 फीसदी बढ़ा। वहीं गत कारोबारी में भी बाजार में सपाट कारोबार हुआ था। बाजार जानकारों का कहना है कि बॉन्ड यील्ड में गिरावट के कारण एफआईआई (विदेशी निवेशक) खरीददार बन गए हैं।

ऐसा क्या हुआ.......जापान में लोग कर रहे चावल की बंपर खरीद

स्टॉक हुआ खत्म, सरकार हुई चिंतित

टॉक्यो (ईएमएस)। जापान दुनिया के सबसे विकसित देश में शामिल है। हालांकि इन दिनों जापान में एक संकट आ गया है। दरअसल जापान में लोगों ने महाभूकंप और कई तूफानों के खतरे के साथ-साथ एक हफ़्ते की छुट्टी के कारण घबराहट में खरीदारी की है। इस खरीदारी के कारण देश के सबसे मशहूर खाद्य पदार्थों में से एक चावल की अभूतपूर्व कमी हो गई है। इसके बाद जापान सरकार ने लोगों को घबराहट में खरीदारी न करने की चेतावनी दी।

टोक्यो में लोकप्रिय सुपरमार्केट चेन की एक शाखा के क्लर्क के हवाले से बताया गया कि हम इस गर्मी में चावल की सामान्य मात्रा का आधा ही खरीद पाए और चावल के बैग जल्दी ही बिक गए। कर्मचारी ने बताया कि चावल का दैनिक स्टॉक आमतौर पर दोपहर तक खत्म हो जाता है।

इस महीने की शुरुआत में सरकार द्वारा संभावित महाभूकंप और कई तूफानों की चेतावनी दिए जाने के बाद लोगों ने अपने घरों में चावल का राशन बनाना शुरू कर दिया। जापान में दुकानों में चावल खत्म होने या चावल की कमी का सामना करने का एक और कारण ओबोन की छुट्टी है। इसके अलावा, गर्म मौसम और पानी की कमी के कारण कम फसल के साथ-साथ रिकॉर्ड संख्या में विदेशी पर्यटकों की बढ़ती मांग के कारण भी चावल की कमी हुई।

टोक्यो में एक किराने की दुकान पर लगे साइनबोर्ड पर लिखा था, अधिक से अधिक ग्राहकों को खरीदने में सक्षम बनाने के लिए, हम आपसे प्रति परिवार प्रतिदिन एक (चावल का बैग) खरीदने के लिए कहते हैं। जापानी सरकार ने लोगों को चावल की खरीददारी में हड़बड़ी न करने की चेतावनी दी। कृषि मंत्री तेत्सुशी सकामोटो ने लोगों को शांत रहने की सलाह देकर कहा कि कमी की स्थिति जल्द ही हल होगी। देश में जून में चावल का सबसे कम स्टॉक 1999 के बाद से देखा गया, जब तुलनात्मक डेटा पहली बार एकत्र किया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि स्टॉक पर्याप्त है। कृषि मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, सितंबर के अंत तक 40 प्रतिशत फसल उपलब्ध होने के साथ एक नया कटाई का मौसम शुरू हो गया है।

भारत में आईटी कंपनियों से ज्यादा वेतन दे रही जीसीसीएस

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसीएस) के विस्तार और टेक पेशेवरों की बढ़ती मांग के कारण, आईटी सेवाओं वाली कंपनियों की तुलना में वेतन अंतर बढ़ता जा रहा है। हाल ही में आई रिपोर्ट बताती है कि जीसीसीएस समान टेक पोजिशन के लिए आईटी सेवाओं और अन्य नॉन-टेक उद्योगों की तुलना में 12-20 प्रतिशत तक ज्यादा वेतन दे रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, जीसीसीएस सॉफ्टवेयर डेवलपर्स को उनके अनुभव के आधार पर सालाना 9.7 लाख से लेकर 43 लाख रुपये तक का वेतन दे रहे हैं। इसके विपरीत, आईटी प्रोडक्ट और सर्विसेज सेक्टर में एंट्री-लेवल पदों के लिए करीब 5.7 लाख रुपये प्रति वर्ष का वेतन दिया जाता है, जो आठ साल से अधिक अनुभव रखने वालों के लिए 17.9 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुंचता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्तमान में भारत में संचालित 1,600 जीसीसीएस में 16.6 लाख से अधिक लोग काम कर रहे हैं। अगले पांच से छह सालों में अतिरिक्त 800 जीसीसीएस स्थापित होने की उम्मीद है, जिससे भारत का ग्लोबल टेक हब के रूप में महत्व और बढ़ेगा। इन नए जीसीसीएस में से कई कोलकाता, अहमदाबाद और वडोदरा जैसे टियर-2 शहरों में स्थापित होने की संभावना है, जिससे भौगोलिक विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय रोजगार में वृद्धि होगी। वित्तीय साल 24 में, भारत का टेक्नोलॉजी मार्केट 254 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि है। इस बाजार को 5.6 मिलियन की टेक वर्कफोर्स का सपोर्ट मिला है।

2020 से 2024 के बीच, भारत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), ब्लॉकचेन, आईओटी, रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए), एज कंप्यूटिंग और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी तकनीकों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हालांकि, इस तेजी से हुई प्रगति ने एक महत्वपूर्ण स्किल गैप पैदा कर दिया है, जिसमें केवल 2.5 प्रतिशत भारतीय इंजीनियर एआई में दक्ष हैं और केवल 5.5 प्रतिशत के पास बेसिक प्रोग्रामिंग स्किल्स हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, इस बढ़ते टेक्नोलॉजी स्किल्स गैप को कम करने के लिए, 86 प्रतिशत भारतीय कंपनियां अपने आईटी वर्कर्स को सक्रिय रूप से रिस्किल कर रही हैं। आने वाले सालों में आईटी सेवाओं का उद्योग भी विस्तार के लिए तैयार है, जिसमें अगले पांच सालों में क्लाउड निवेश में 25-30 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

सूडान में बारिश और बाढ़ से 138 लोगों की मौत

खार्तूम (ईएमएस)। सूडान में बारिश और बाढ़ से मरने वालों की संख्या 138 हो गई है। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक 10 राज्यों में भारी बारिश के कारण 138 लोगों की मौत हुई है। मंत्रालय ने कहा, बारिश के कारण कुल 138मौतें दर्ज की गई हैं, जबकि 31,666 परिवारबाढ़सेप्रभावितहुएहैं।इसमें 129,650 से अधिक लोग शामिल हैं। इसके अलावा12,420 घर पूरी तरह से ढह गए हैं। इतना ही नहीं बारिश और बाढ़ से प्रभावित सूडान के पांच राज्यों में हैजा के 102नए मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा पांच लोगों की मौत भी हुई है। यहां सक्रिय मामले1,223हैं आठ लोगों की मौत हुई है।

सूडान में बाढ़ एक प्रमुख समस्या है। यहां जून और अक्टूबर के बीच बाढ़ की समस्या का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण जान-माल का काफी नुकसान हुआ है और कृषि भूमि को भी नुकसान पहुंचा है। इस साल बारिश के मौसम ने सूडान में मानवीय संकट को और बढ़ा दिया है, जो पहले से ही सूडानी सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच घातक संघर्ष से जूझ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार,सूडान में लगभग 10.7 मिलियन लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, जिसमें लगभग 2.2 मिलियन लोग विदेशों में शरण ले रहे हैं। शनिवार को काफी मात्रा में बारिश होने से लाल सागर के तट पर स्थित पोर्ट सूडान के उत्तर में अरबत क्षेत्र में बाढ़ आ गई। जलस्तर बढ़ने से अरबत बांध टूट गया और कई गांव बह गए हैं। इस बांध का निर्माण 2003 में किया गया था। ताकि सूखे की समस्या से निजात मिल सके।लेकिन, बीते कई सालों से इस बांध का रखरखाव नहीं किया गया है।

एकीकृत पेंशन योजना राज्यों के लिए जरुरी नहीं, ले सकते हैं स्वतंत्र निर्णय -वित्तमंत्री सीतारमण

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) राज्यों के लिए जरुरी नहीं है। राज्य स्वतंत्र निर्णय ले सकते हैं। वित्तमंत्री ने उम्मीद जताई कि ज्यादातर राज्य यूपीएस को लागू करेंगे क्योंकि इसमें कर्मचारियों के लिए बहुत दिए गए लाभ हैं। उन्होंने कहा कि एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में सुधार करने का प्रयास है। यूपीएस पेंशन की गारंटी लागू करना किसी निर्णय को वापस लेना यू-टर्न नहीं है। यह एक नया पैकेज है। केंद्र सरकार यूपीएस लाने की घोषणा के बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी ने पहले इसे रोलबैक सरकार कहते हुए चुटकी ली थी। वित्तमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नारेबाजी करने वाली पार्टी बन गई है।

9 सितंबर को जीएसटी परिषद की बैठक के एजेंडे पर चर्चा करते हुए सीतारमण ने कहा कि इसमें जीएसटी दरों को वाजिब बनाने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रियों का समूह रिपोर्ट को अंतिम रूप देने और बैठकें करेगा। यूपीएस उन समस्याओं का समाधान करेगा जो पुरानी पेंशन योजना और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में सामने आई है। उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों की सेवा 25 साल से कम है तो यूपीएस के तहत लाभ आनुपातिक आधार पर दिया जाएगा। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण यूपीएस के कोष की जिम्मेदारी संभालेगा। वित्तमंत्री ने साफ किया कि यूपीएस के लिए कर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पेंशन से जुड़े लाभ देने के लिए केंद्रीय मंत्रिपरिषद ने बीते शनिवार को यूपीएस को मंजूरी दी थी। यह योजना 1 अप्रैल, 2025 से लागू होगी और केंद्र सरकार के 23 लाख कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। सरकार के मुताबिक यूपीएस में बकाया भुगतान के मद में 800 करोड़ रुपए की जरूरत होगी और पहले साल इस योजना पर करीब 6,250 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों को खुली छूट

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से ही कट्टरपंथियों को खुली छूट मिलने लगी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने एक आतंकी को जेल से रिहा किया है। अंसारुल्लाह बांग्ला टीम जो अल-कायदा से प्रेरित आतंकी संगठन है, इस अब अंसार अल इस्लाम के नाम से जाना जाता है उसके प्रमुख मुफ्ती जाशिमुद्दीन रहमानी को रिहा कर दिया गया।गाजीपुर के काशिमपुर की हाई सिक्योरिटी सेंट्रल जेल से आंतकी को रिहा कर दिया गया। आतंकी संगठन बांग्लादेश में ब्लॉगर्स और अन्य लोगों की हत्या करता रहा है।

चीनी इकाइयों पर अमेरिकी प्रतिबंध अवैध और एकतरफा

बीजिंग,(ईएमएस)। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान के बीजिंग जाने से पहले चीन ने यूक्रेन युद्ध पर अपनी इकाइयों पर अमेरिकी प्रतिबंधों को अवैध और एकतरफा और तथ्यों पर आधारित नहीं बताया। पिछले सप्ताह अमेरिका ने यूक्रेन में रूस के युद्ध प्रयासों का समर्थन करने के लिए चार सौ से ज्यादा संस्थाओं और व्यक्तियों पर बैन लगा दिया था, जिनमें चीनी कंपनियां भी शामिल थीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वे रुस को प्रतिबंधों से बचने और अपनी सेना का निर्माण करने में मदद करते हैं। अमेरिका ने रूस के रक्षा औद्योगिक आधार के समर्थन पर चीन को कई बार चेतावनी दी है और सैन्य उद्देश्यों के लिए प्रौद्योगिकियों का दोहन करने की रुस की क्षमता पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रतिबंध लगा चुका है।

यूरेशियन मामलों के लिए चीन के विशेष दूत, ली हुई जिन्होंने शटल कूटनीति के चार दौर किए उन्होंने ब्राजील, इंडोनेशिया और दक्षिण अफ्रीका के अधिकारियों के साथ बैठकों के बाद चीन में राजदूतों के लिए एक ब्रीफिंग में प्रतिबंधों का विरोध किया था। बीजिंग एयरपोर्ट पहुंचने के बाद सुलिवन की चीन के विदेश मंत्रालय में उत्तरी अमेरिका और प्रशांत क्षेत्र मामलों के प्रमुख यांग ताओ ने अगवानी की। इस मौके पर चीन में अमेरिका के राजदूत निकोलस बर्न भी मौजूद थे।

यूक्रेन का दावा, कुर्स्क क्षेत्र में100 बस्तियों पर कब्जा किया

कीव (ईएमएस)। यूक्रेनी सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ ओलेक्सांद्र सिरस्की ने कहा कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में घुसने के बाद से यूक्रेनी सैनिकों ने 100 बस्तियों पर कब्जा किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में सिरस्की के हवाले से कहा, हम आगे बढ़ रहे हैं, रूसी सैनिकों को महत्वपूर्ण नुकसान हो रहा है।

रिपोर्ट में बताया कि रूस ने अन्य क्षेत्रों से करीब 30,000 सैनिकों को कुर्स्क में फिर से तैनात किया है और यूक्रेनी बलों को चारों ओर से घेरने की कोशिश कर रहा है। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके विशेष बलों ने कुर्स्क क्षेत्र के सुदझा जिले में एक ऊंचाई वाली जगह को सुरक्षित करने के लिए एक अभियान चलाया है। यह क्षेत्र पहले यूक्रेन के कब्जे में था।

यह ऊंचाई वाली जगह यूक्रेनी ठिकानों से 400-500 मीटर दूर स्थित है। रूसी सैनिक अब यूक्रेनी सैन्य गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं। सिरस्की ने कहा कि यूक्रेन ने अपने सुमी क्षेत्र में गोलीबारी को रोकने के लिए एक बफर जोन बनाने के उद्देश्य से कुर्स्क में अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि उनके सैनिक आगे बढ़ रहे हैं और उन्होंने 594 रूसी सैनिकों को पकड़ लिया है। सिरस्की के अनुसार, रूस अन्य मोर्चों से सैनिकों को वापस बुलाकर यूक्रेन का विरोध करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में पोक्रोवस्क मोर्चे से सेना वापस नहीं हटा रहा है, जहां उन्होंने कहा कि स्थिति कठिन बनी हुई है।

5-6 अगस्त की रात से ही कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना ने सुदजा शहर के पास क्षेत्र में प्रवेश किया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कीव पर बड़े पैमाने पर उकसाने और अंधाधुंध गोलीबारी करने का आरोप लगाया, तथा इस आक्रमण को आतंकवादी हमला बताया।

अरे बाबा रे.........100 बच्चों के पिता हैं टेलीग्राम के सीईओ

पेरिस (ईएमएस)। साढ़े 15 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के 120वें सबसे अमीर शख्स जो न सिर्फ एक बिजनेस टॉयकून है। बल्कि लग्जरी लाइफ स्टाइल और मौजमस्ती करना उसका शौक है। हम बात कर रहे हैं टेलीग्राम के सीईओ पावेल डुरोव की हैं। रूसी मूल के अरबपति पावेल डुरोव जो कि टेलीग्राम के सीईओ हैं। उन्हें पेरिस में गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन इस बीच डुरोव को लेकर एक खुलासा हुआ है कि 39 साल के पावेल 100 बच्चों के पिता हैं। वे भी बिना शादी के, लेकिन कैसे।

टेलीग्राम के फाउंडर और सीईओ डुरोव हैं। जो फिलहाल सलाखों के पीछे हैं। डुरोव की गिरफ्तारी के बाद उनसे जुड़ा सनसनीखेज खुलासा हुआ है। डुरोव 100 से ज्यादा बच्चों के पिता हैं। मगर 39 साल के पावेल डुरोव ने अब तक शादी नहीं की है। दावा है कि पावेल डुरोव की दर्जनों गर्लफ्रेंड रह चुकी हैं। गौरतलब है कि सीईओ के 100 बच्चों के पिता होने का दावा खुद पावेल डुरोव ने किया है।

डुरोव ने दावा किया था कि स्पर्म डोनर के तौर पर वह 100 से ज्यादा बच्चों के जैविक पिता बन चुके हैं। दोस्त के अनुरोध पर 15 साल पहले उन्होंने स्पर्म डोनेशन शुरू किया था। जांच में पता चला था कि डुरोव का स्पर्म अच्छी क्वॉलिटी वाला है। यही वजह है कि उनके स्पर्म के लिए महिलाएं घंटों लाइन में लगती है।

डुरोव जिन्हें पिछले दिनों फ्रांस में गिरफ्तार किया गया। फ्रांस की कोर्ट ने मंगलवार को उनको हिरासत 2 दिनों के लिए और बढ़ा दी। डयूरोव पर आरोप है कि उन्होंने टेलिग्राम के जरिए चाइल्ड पोर्न सहित क्रिमिनल केंटेट फैलाया है।

सारी दुनिया से जल्दी ही बंद होगा टेलीग्राम - सरकारों को पसंद नहीं है, आम नागरिकों की निजता

पेरिस (ईएमएस)। मैसेजिंग एप टेलीग्राम के सीईओ पावेल डुरोव को पेरिस के एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया है। पावेल के खिलाफ 12 मामले फ्रांस में दर्ज हैं। इसके बाद भी वह अपनी महिला मित्र के साथ पेरिस पहुंचा था। जहां उनकी गिरफ्तारी हो गई है।

दुनिया भर की सभी सरकारें टेलीग्राम से संदेश भेजे जा रहे हैं। उसे सरकार के साथ शेयर करने की मांग कर रहे हैं। रूस ने भी यह मांग की थी। जिसे पावेल डुरोप ने नहीं माना था। जिसके कारण उन्हें अपनी जन्मभूमि रूस को छोड़कर रातों-रात भागना पड़ा था। अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, भारत,रूस इत्यादि देश यह चाहते हैं। टेलीग्राम के जो भी संदेश भेजें जा रहे हैं। सुरक्षा कारणों से उनका एक्सेस सरकार को दिया जाना चाहिए। टेलीग्राम यह एक्सेस देने के लिए तैयार नहीं है। उसका कहना है, निजता अधिकार के तहत मैसेजिंग सिस्टम में किसी भी सरकार को छेड़छाड़ करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

उल्लेखनीय है, इस मैसेजिंग कंपनी में केवल 30 कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी का मार्केट कैप ढाई लाख करोड रुपए का है। अमेरिका ने टेलीग्राम के एक इंजीनियर के माध्यम से टेलीग्राम मैसेजिंग सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश की थी। अमेरिका इसमें सफल नहीं हो पाया। उसके बाद से ही टेलीग्राम के सीईओ पावेल के ऊपर कई देशों में अपराधिक प्रकरण दर्ज कर मैसेजिंग सिस्टम को बंद करने का प्रयास किया जा रहा है।

मानव अधिकार कानून के तहत जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून बने हुए हैं। उसके अनुसार टेलीग्राम पर सीधे-सीधे कोई कार्रवाई कोई भी सरकार नहीं कर पा रही है। अब अपराधिक प्रकरण दर्ज कर टेलीग्राम को बंद करने का सुनयोजित प्रयास दुनिया के बड़े देश कर रहे हैं।

टेलीग्राम के सीईओ पावेल के खिलाफ बाल यौन शोषण,सामग्री के आदान-प्रदान मे ड्रग ट्रैफिकिंग और संगठित अपराध को बढ़ावा देने के आरोप मे अपराधिक प्रकरण दर्ज किए जा रहे है। फ्रांस की अदालत ने उन्हें पुलिस कस्टडी में सौंप दिया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

भारत में भी की जा रही है जांच

भारतीय गृह मंत्रालय और आईटी विभाग टेलीग्राम के मैसेजिंग सिस्टम को लेकर जांच कर रहा है। भारत सरकार ने भी टेलीग्राफ से मैसेज पर नियंत्रण करने की सुविधा मांगी गई थी। टेलीग्राफ के सीईओ ने सरकार को मैसेज डिकोड करने का अधिकार नहीं दिया। जिसके कारण भारत सरकार जल्द ही टेलीग्राम पर कोई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर सकती है।

तानशाह ने किया नई तकनीक से युक्त मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर का परीक्षण

सियोल (ईएमएस)। उत्तर कोरिया नेता किम जोंग-उन ने एक नई तकनीक से युक्त 240 मिमी मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर के परीक्षण में हिस्सा लिया। अटकलें हैं कि यह नया आर्टिलरी सिस्टम रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में उपयोग करने के लिए मिल सकता है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, किम ने मल्टीपल रॉकेट लांच सिस्टम (एमआरएलएस) के परीक्षण में भाग लिया। बताया जा रहा हैं कि हथियार सियोल और उसके आस-पास के इलाकों में टारगेट रेंज में रख सकता है।

फरवरी में, उ.कोरिया ने कहा था कि एक नया रॉकेट लांचर विकसित किया है। जो सटीकता और रेंज के मामले में उसकी हथियार क्षमताओं को बढ़ा सकता है। मई में उत्तर कोरिया की तरफ से कहा गया कि वह 2024 और 2026 के बीच कोरियन पीपुल्स आर्मी यूनिट में हथियार प्रणाली तैनात करेगा। पर्यवेक्षकों ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि उ.कोरिया यूक्रेन के साथ युद्ध में उपयोग के लिए रूस को रॉकेट लांचर की आपूर्ति करने के प्रयास में रॉकेट लॉन्चर का परीक्षण कर रहा है।

कोरिया इंस्टीटयूट फॉर नेशनल यूनिफिकेशन के एक वरिष्ठ शोधकर्ता ने बताया कि परीक्षण का उद्देश्य 1980 के दशक में निर्मित उत्तर कोरिया के पुराने 240 मिमी एमआरएलएस में सुधार करना है। उन्होंने संभावना जाहिर कि यह परीक्षण दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास की प्रतिक्रिया का एकरूप होसकता है। यह परीक्षण तब हुआ जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका अपना वार्षिक ग्रीष्मकालीन उलची फ्रीडम शील्ड अभ्यास आयोजित कर रहे हैं, जो गुरुवार को समाप्त होने वाला है।

अगस्त माह में 11 कंपनियों ने वापस खरीदे अपने शेयर

मुंबई (ईएमएस)। अगस्त 2024 में शेयर बाजार पर शेयरों के बायबैक की बौछार हो रही है। अगस्त माह में 11 कंपनियों ने अब तक 5,388 करोड़ रुपये के शेयरों को वापस खरीदा है। एक डेटा के मुताबिक, रुपये के लिहाज से खरीदे गए शेयरों की मात्रा 14 माह में सबसे ज्यादा है। बता दें कि बायबैक के तहत कंपनियां अपने शेयरों को निवेशकों से एक तय कीमत पर वापस खरीदती हैं। साधारण तौर पर ये कीमतें मौजूदा शेयरों की कीमतों से ज्यादा होती है।

जून 2023 में विप्रो सहित दो कंपनियों ने मिलकर 12,005 करोड़ के शेयरों का बायबैक किया था। इसमें विप्रो का बायबैक 12,000 करोड़ रुपये का था। अगर विप्रो, सितंबर 2023 में लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के 10,000 करोड़ रुपये, दिसंबर 2023 और मार्च 2022 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के 17,000 करोड़ और 18,000 करोड़ रुपये के बायबैक को छोड़ दिया जाए, तब मौजूदा महीने का बायबैक दिसंबर 2022 के बाद से सबसे ज्यादा है। दिसंबर 2022 में 9 कंपनियों ने 10,606 करोड़ के शेयरों का बायबैक किया था।

जानकारों का कहना है कि शेयर बायबैक की मात्रा में तेजी का कारण अक्टूबर 2024 से भारत के शेयर बायबैक टैक्स रिजीम में महत्वपूर्ण बदलाव हैं। जुलाई 2024 में पेश किए गए केंद्रीय बजट में नए नियमों से बायबैक स्ट्रैटेजी का नजरिया फंडामेंटली बदल जाएगा, क्योंकि टैक्स का बर्डेन कंपनियों से हटकर शेयरहोल्डर्स पर आएगा।

मौजूदा समय में, बायबैक करने वाली कंपनियों को 20 प्रतिशत से अधिक बायबैक टैक्स का भुगतान करना पड़ता है। वहीं, शेयरहोल्डर्स को उनके शेयरों की ऑफरिंग पर कोई टैक्स नहीं लगता है। अक्टूबर 2024 से लागू होने वाले नए रिजीम के तहत, शेयरों के बायबैक पर मिले पूरे अमाउंट को निवेशकों के टैक्स स्लैब के हिसाब से लाभांश (डिविडेंड) के रूप में टैक्स लगाया जाएगा। बायबैक में ऑफर किए गए शेयरों की खरीदारी की लागत को कैपिटल लॉस के रूप में माना जाएगा और उसे अन्य कैपिटल गेन के लिए एडजस्ट या कैरी फॉरवर्ड किया जा सकेगा।

कर्मचारी करोड़पति हो गए, पैसा खर्च करने और परिवार के लिए समय नहीं

सांता क्लारा (ईएमएस)। अमेरिका की चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के कर्मचारी पिछले कई वर्षो से आशा से अधिक कमाई कर रहे हैं। फैक्ट्री में काम करने वाले सभी कर्मचारी करोड़पति हो चुके हैं। जो कमाई कर्मचारियों ने की है। उसे खर्च करने के लिए उनके पास समय नहीं है।

इस कंपनी के कर्मचारियों के ऊपर काम का इज्जत इतना बोझ है। वह सप्ताह के सातों दिन बिना छुट्टी के काम करते हैं। पैसे कमाने के लिए ओवरटाइम करते हैं। कंपनी से उन्हें आसानी से छुट्टी नहीं मिलती है। कर्मचारियों के ऊपर दबाव बनाया जाता है, वह ओवरटाइम करें।

फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारी महंगी महंगी कारों से फैक्ट्री में आते हैं। 12 से 14 घंटे काम करते हैं। इसके बाद भी मांग के अनुसार कंपनी चिप की आपूर्ति नहीं कर पा रही है।

2019 में इस कंपनी की शुरुआत एनवीडीया द्वारा की गई थी। कंपनी को एआई के लिए जरूरी चिप बेचने से बड़ा लाभ हुआ है। चिप की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी मांग है। मांग के अनुपात में उत्पादन कम है। कंपनी अपने कर्मचारियों को उत्पादन के हिसाब से अच्छा वेतन और बोनस देती है।

इस कंपनी के मालिक जेनसेन का कहना है। कुछ नया करने और कमाने के लिए जी जान से मेहनत करनी पड़ती है। कर्मचारियों से ज्यादा से ज्यादा मेहनत करने की अपेक्षा करते हैं, कंपनी में काम करने की कोई समय सीमा तय नहीं की गई है। पैसा कमाने के चक्कर में कर्मचारी बिना साप्ताहिक अवकाश के ओवरटाइम करते हैं। पैसा तो कर्मचारियों ने बहुत कमा लिया है। लेकिन अब इसको खर्च करने का उन्हें समय नहीं मिल रहा है। नाही शरीर को आराम मिल पा रहा है। जिसका असर परिवार में लड़ाई और आपसी विवाद के रूप में सामने आ रहा है। कर्मचारियों में निरंतर मानसिक और शारीरिक दबाव बढ़ने लगा है।

हिंडनबर्ग ने अब सुपर माइक्रो कंप्यूटर इंक को लेकर किया खुलासा

-अकाउंटिंग में हेराफेरी का लगाया आरोप, औंधे मुंह गिरे शेयर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। हिंडनबर्ग रिसर्च की एक और नई रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में एक आईटी फर्म पर निशाना साधा गया है। यह कंपनी सिलिकॉन वैली स्थित सुपर माइक्रो कंप्यूटर इंक है। हिंडनबर्ग ने इस कंपनी पर अकाउंट में हेराफेरी का आरोप लगाया है। नैस्डैक पर सूचीबद्ध इस कंपनी के शेयरों में 27 अगस्त को प्री-मार्केट ट्रेड में करीब आठ फीसदी की गिरावट आई। हिंडनबर्ग का दावा है कि उनकी रिपोर्ट तीन महीने की जांच पर आधारित है। रिपोर्ट में अकाउंट में हेरफेर, अन-डिजक्लोज्ड लेनदेन के सबूत, प्रतिबंध और एक्सपोर्ट कंट्रोल में विफलता और ग्राहकों की समस्याओं की बात कही गई है।

हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट में कहा कि सुपर माइक्रो कंप्यूटर इंक को 2018 में वित्तीय विवरण दाखिल करने में विफल रहने के चलते नैस्डैक से अस्थायी रूप से हटा दिया गया था। बाद में एसईसी ने बड़े स्तर पर अकाउंटिंग में गड़बड़ी का आरोप कंपनी पर लगाया था। इस गड़बड़ी का संबंध 20 करोड़ डॉलर से ज्यादा का अनुचित रूप से मान्यता प्राप्त रेवेन्यू और कम करके बताए गए खर्चों से था। इसकी वजह से कंपनी की बिक्री, आय और मुनाफे में बढ़ोरती हुई थी।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में मुकदमेबाजी के रिकॉर्ड और पूर्व कर्मचारियों के साथ साक्षात्कार का हवाला देते हुए सुझाव दिया गया है कि कंपनी ने 17.5 मिलियन के एसईसी समझौते के तीन महीने बाद ही अकाउंटिंग घोटाले में सीधे तौर पर शामिल अधिकारियों को फिर से काम पर रखा है। हिंडनबर्ग ने सुपर माइक्रो कंप्यूटर इंक के पूर्व सीएफओ हावर्ड हिदेशिमा को इस घपलेबाजी में शामिल बताया है और कहा है कि इन्हें सुपर माइक्रो से संबंधित एक कंपनी में फिर से काम पर रख लिया गया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अकाउंटिंग और गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के कारण प्रमुख कंपनियों ने सुपर माइक्रो कंप्यूटर इंक के साथ या तो व्यापार कम कर दिया है या पूरी तरह खत्म कर दिया है। हिंडनबर्ग ने सुपर माइक्रो कंप्यूटर के शेयरों में शॉर्ट पोजीशन ली है। इसमें कहा गया है, यह रिपोर्ट हमारी राय है और हम प्रत्येक पाठक को प्रोत्साहित करते हैं कि वह खुद भी इन दावों की जांच कर सकते हैं। शॉर्ट पोजिशन लेने का मतलब है कि हिंडनबर्ग ने इस कंपनी के शेयरों में गिरावट पर दांव खेला है, ठीक उसी तरह जिस तरह अडाणी ग्रुप के शेयरों पर खेला था।

सालसा को घरती पर सुरक्षित लाने जुटे वैज्ञानिक

पेरिस (ईएमएस)। यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) का एक पुराना सैटेलाइट अब धरती की ओर आ रहा है। 8 सितंबर 2024 को इसका वायुमंडल में प्रवेश होगा। इसमें आते ही यह जलने लगेगा। स्पेस एजेंसी सैटेलाइट को कंट्रोल्ड तरीके से पृथ्वी पर गिरा रही है, ताकि अंतरिक्ष में इसकी वजह से कचरा न फैले।

अगर सबकुछ सही रहा, सैटेलाइट ये प्रशांत महासागर में गिरेगा। सालसा सैटेलाइट करीब 1.30 लाख किलोमीटर की दूरी तय करके धरती पर आएगा। पिछले साल इसी एजेंसी ने वेदर सैटेलाइटर को धरती पर नियंत्रित तरीके से गिराया था। इस तरह से सैटेलाइट को धरती पर लाने को गाइडेड री-एंट्री कहते हैं। ताकि आबादी वाले इलाके में न गिरे।

यूरोपियनस्पेस एजेंसी ने साल 2000 से लगातार चार एक जैसे सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज थे। इनके नाम हैं, सालसा, रंबा, टैंगो और सांबा।येसभीअलग-अलग डांस फॉर्म पर नाम रखे गए हैं। इनका काम है धरती की मैग्नेटिक फील्ड यानी चुंबकीय क्षेत्र पर नजर रखना। इन चारों का अंतरिक्ष में एक क्लस्टर बनाया गया था।

क्लस्टर की लाइफ मात्र 2 साल थी। लेकिन ये सभी सैटेलाइट्स अब भी काम कर रहे हैं, सिवाय सालसा को छोड़कर। चारों ने करीब 24 साल काम किया। सालसा को छोड़कर तीन अब भी डेटा भेज रहे हैं। स्पेस एजेंसी ने आधिकारिक तौर पर 2002 में चारों सैटेलाइट्स के क्लस्टर्स को रिटायर घोषित कर दिया था। चारों को अंतरिक्ष में घूमने के लिए छोड़ दिया गया था।

लेकिन अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे को ध्यान में रखकर ईएसए ने सालसा को गाइडेड री-एंट्री कराने की योजना बनाई। ताकि सैटेलाइट किसी भी तरह का कचरा अंतरिक्ष में बिना छोड़े धरती पर वापस लौट आए। क्योंकि वैज्ञानिकों का मानना है कि किसी उल्कापिंड की टक्कर से ज्यादा खतरा सैटेलाइट के किसी टुकड़े का धरती पर टकराने का है। इसलिए इनके खतरे को कम करने के लिए इस तरह से धरती पर वापस लाया जाता है।

दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में यमन टॉप पर, रुस-यूक्रेन भी शामिल

लंदन,(ईएमएस)। 2024 में दुनिया के सबसे खतरनाक देशों की सूची जारी हो गई है। इस सूची में पाकिस्तान नहीं बल्कि सूडान और माली हैं। वहीं युद्ध में उलझे रूस और यूक्रेन भी इसमें शामिल हैं। ग्लोबल पीस इंडेक्स (जीपीआई) ने दुनिया के सबसे खराब हालात से गुजरने वाले देशों की सूची जारी की है। इसे राष्ट्रों की सुरक्षा, गंभीर संघर्ष, राजनीतिक अस्थिरता और मानवीय संकट के आधार पर तैयार किया गया है। जीपीआई हर साल 23 संकेतकों पर 163 देशों का मूल्यांकन करता है। इसमें आंतरिक संघर्ष, सामाजिक सुरक्षा और सैन्यीकरण के स्तर शामिल हैं, जो शांति और सुरक्षा का मूल्यांकन करते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक जीपीआई ने इस साल दुनिया के सबसे खतरनाक देशों की सूची में यमन को सबसे टॉप पर रखा है। यमन को सबसे खराब स्थिति वाला देश माना है। 3.397 के जीपीआई स्कोर के साथ यमन दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में है। 2015 में शुरू हुए गृह युद्ध के बाद से देश बड़े पैमाने पर अकाल, बीमारी और बुनियादी ढांचे के पतन का सामना कर रहा है। यमन के बाद सूडान है। सूडान के डारफुर, साउथ कोर्डोफन और ब्लू नाइल में लगातार संघर्ष से 20 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। सूडान 3.324 के जीपीआई के साथ दुनिया के खतरनाक देशों में शामिल है।

अफगानिस्तान इस साल भी जीपीआई स्कोर 3.294 के साथ दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में शामिल है। आतंकवाद, अपहरण और व्यापक हिंसा ने अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय चिंता का केंद्र बिंदु बना है। इस सूची में पांचवां नाम यूक्रेन का है। फरवरी 2022 में रूसी आक्रमण शुरू होने के बाद से यूक्रेन की सुरक्षा और स्थिरता में भारी गिरावट आई है। रूस भी इस युद्ध का प्रभाव झेल रहा है और खतरनाक देशों की सूची में वह भी शामिल है। 2024 में रूस का जीपीआई स्कोर 3.249 दिखाता है कि कैसे ये देश भी रहने के लिए अच्छी जगह नहीं है।

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो अफ्रीकी इतिहास के सबसे घातक संघर्ष से जूझ रहा है। साढ़े चार साल से ज्यादा समय से चल रही हिंसा में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी अन्य संघर्ष की तुलना में ज्यादा मौतें हुई हैं। इससे ये देश एक खतरनाक जगह बन गया है। खतरनाक देशों की सूची में एक और नाम सीरिया का है। साल 2011 में गृह युद्ध की शुरुआत के बाद से सीरिया खतरनाक देशों में से एक है। देश में लगातार चल रहे संघर्ष से इमारतें, सड़कें, अस्पताल और स्कूल खंडहर हो गए हैं और मानवीय स्थिति गंभीर है। देश में लोग पेट भर खाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

खतरनाक देशों की सूची में माली भी शामिल है। माली में 2012 से सशस्त्र संघर्ष चल रहा है, जब तुआरेग विद्रोहियों ने उत्तरी क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और फिर अप्रैल में आजाद देश की ऐलान कर दिया । मार्च 2012 में सैन्य तख्तापलट के बाद से क्षेत्र में उथल-पुथल है।

गुजरात के इन 12 जिलों में कल रेड अलर्ट, मौसम विभाग का अगले छह दिनों तक भारी से भारी बारिश का अनुमान

अहमदाबाद,28 अगस्त

गुजरात में भारी बारिशः राज्य के सौराष्ट्र और उत्तरी गुजरात के अधिकांश हिस्सों में मेघराजा की मार पड़ी है, कई इलाकों में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है।

इसके अलावा कई निचले इलाकों में बाढ़ आने के कारण कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। जहां राज्य में पिछले तीन दिनों से भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है, वहीं मौसम विभाग ने राज्य में अगले छह दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। जिसमें इस महीने के अंत तक सौराष्ट्र के अधिकांश और दक्षिण गुजरात के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होगी. वहीं कल (29 अगस्त) सौराष्ट्र के 12 जिलों कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, राजकोट, जामनगर, बोटाद, भावनगर, अमरेली, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, देवभूमि द्वारका और पोरबंदर जिलों में भारी बारिश के कारण रेड अलर्ट घोषित किया गया है. पिछले 24 घंटों में राज्य के 250 तालुकाओं में बारिश हुई है. आइए जानते हैं अगले छह दिनों तक कैसा रहेगा बारिश का मौसम।

पिछले 24 घंटों में राज्य के 250 तालुकाओं में बारिश हुई है. जिसमें देवभूमि द्वारका के खंभालिया में 454 मिमी, जामनगर में 387 मिमी, जामजोधपुर में 329 मिमी, लालपुर में 324 मिमी. और कालावाड में 284 मिमी, पोरबंदर के राणावाव में 292 मिमी, राजकोट के लोधिका और देवभूमि द्वारका के भनवाद में 268 मिमी, राजकोट के कोटदासघानी में 261 मिमी, देवभूमि द्वारका के कल्याणपुर में 260 मिमी। और द्वारका में 251 मिमी, पोरबंदर में 252 मिमी। बरस गया बादल का पानी।

वहीं मौसम विभाग ने आज (28 अगस्त) कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, बोटाद, जामनगर, राजकोट, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, अमरेली, गिर सोमनाथ, भावनगर जिलों में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि पाटन, अहमदाबाद, आनंद, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, नवसारी, डांग और वलसाड जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। इसके अलावा मध्य और उत्तर गुजरात के बनासकांठा, मेहसाणा, साबरकांठा, अरावली, खेड़ा, गांधीनगर, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, वडोदरा, छोटा उदेपुर जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक कल (29 अगस्त) सौराष्ट्र के 12जिलों कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, राजकोट,जामनगर,बोटाद, भावनगर, अमरेली, जूनागढ़, गिर सोमनाथ में भारी बारिश के कारण रेड अलर्ट घोषित कियागया है। , देवभूमि द्वारका और पोरबंदर जिले। इसके अलावा उत्तरगुजरात,मध्य गुजरातऔर दक्षिण गुजरात समेत 21 जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है।

राज्य में इस महीने के अंत तक सौराष्ट्र के अधिकांश और दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होगी। 30 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश के बाद कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, राजकोट, जामनगर, बोटाद, भावनगर, अमरेली, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, देवभूमि द्वारका और पोरबंदर जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

दूसरी ओर, कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, राजकोट, जामनगर, बोटाद, भावनगर, अमरेली, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, देवभूमि द्वारका और पोरबंदर सहित दक्षिण गुजरात के सूरत, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। 31 अगस्त को जिन जिलों में भारी बारिश हुई है. इसके अलावा मध्य और उत्तरी गुजरात के 16 जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है, सितंबर की शुरुआत से राज्य में बारिश की तीव्रता कम हो जाएगी. 01-02 सितंबर को दक्षिण गुजरात के केवल पांच जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। जिसमें नवसारी और वलसाड जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है और सूरत, भरूच, तापी और डांग जिलों में भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

वहीं, 03 सितंबर को भारी बारिश के बाद नवसारी और वलसाड जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. इसके अलावा 31 जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है.

अहमदाबाद में 24 घंटे बाद भी नहीं उतरा बारिश का पानी

अहमदाबाद ,28 अगस्त

अहमदाबाद में बारिशः 27 अगस्त को अहमदाबाद में दोपहर 12 बजे से 6 घंटे तक भारी से बहुत भारी बारिश हुई, 26 अगस्त को 6 घंटे बाद बारिश रुकने के बाद आधिकारिक सूत्रों से पता चला कि 40 स्थान ऐसे हैं जहां बारिश नहीं हो सकी. 27 अगस्त को सुबह 6 बजे तक भी पानी निकाला जा सकता है हालाँकि, जलजमाव वाले स्थानों के आधिकारिक आंकड़ों के साथ-साथ शहर में नगर निगम द्वारा पूर्व में घोषित स्थानों पर भी बारिश का पानी भरा हुआ है।

दास खमन के पास, निकोल ,. तीन बत्ती,एकता नगर, दानिलिम्दा ,.कैसेंट स्कूल के पीछे, अंबर टावर के पीछे सभी सोसायटी में ,मकतमपुरा वार्ड, बकरोल गांव में ,सफीलाला की दरगाह के आसपास का क्षेत्र,हाथीखाई,गोमतीपुर,वन्देमा तरम्, गोटा क्षेत्र ,.कारगिल चौक से चाणकयपुरी तक सड़क पर,चांदलोडिया झील के बगल वाली सड़क पर,आश्रमरोड की ओर जाने वालीसड़क पर नहर पुल के अंत के ऊपर, वटवा वार्डस्थित एमेनिटी सोसायटी में पानीभर गया , भोपाल-घुमा नगर पालिका क्षेत्र में ,घुमा, पूजन फ्लैट ,घुमा, ऋषिकेश सोसायटी में लोगों को रुपये खर्च कर पंप मंगवाना पड़ता था। , अजीत मिल, रखियाल, बुर्ज अल असबाब पार्क, सरखेज ,गोमतीपुर से सरसपुर तक की सड़क बनी स्वीमिंग पुल , गोदरेज गार्डन सिटी के पास, सेवी स्वराज , मालेकसाबन लेक रोड के उस पार , गोपाल चौक, निकोल , वस्त्राल से आरटीओ रोड, चाणकयपुरी, एन.एम. झाला व शेला क्षेत्र में बाढ़ आ गई

मीरजापुर में युवक की हत्या के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई

अहमदाबाद,28 अगस्त

शहर के मिर्ज़ापुर में नौ महीने पहले एक सिरफिरे शख्स और उसके तीन बेटों ने आपसी दुश्मनी के चलते मोहम्मद बिलाल बेलिम नाम के युवक को चाकू मारकर 40 से ज्यादा घाव कर हत्या कर दी थी. इस मामले में सभी आरोपियों ने पहले जमानत और पैरोल के लिए अर्जी दी थी. जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया. उस वक्त सेशन कोर्ट ने मोहसिन नाम के आरोपी की 30 दिन की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी. करीब नौ महीने पहले शहर के मिर्ज़ापुर में करीम खान सैयद ने अपने तीन बेटों मोहसिन पठान, इमरान पठान, वसीम पठान के साथ मिलकर मोहम्मद बिलाल बेलिम नाम के 24 साल के शख्स की 40 से ज्यादा चाकू मारकर हत्या कर दी थी.

इस मामले में शाहपुर पुलिस ने करीम सैयद समेत सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर साबरमती जेल भेज दिया था. इस मामले में मोहसिन पठान नामक आरोपी, जो फिलहाल साबरमती जेल में है, ने सेशन कोर्ट में 30 दिन की जमानत याचिका दायर की थी. जिसमें उन्होंने वित्तीय व्यवस्था और अन्य मामलों को प्रस्तुत किया क्योंकि उनकी पत्नी का ऑपरेशन होना था। हालांकि, अभियोजन पक्ष के वकील एनएम शेख ने जमानत पर आपत्ति जताई और कहा कि मोहसिन पठान ने पहले साबरमती जेल से अभियोजन पक्ष को फोन किया था और धमकी दी थी और कुछ समय पहले उसने मृतक मोहम्मद बेलीम की मां को भी धमकी दी थी. उसके एक रिश्तेदार का. जबकि मोहसिन की पत्नी की सर्जरी फ्री होनी है. इसलिए आरोपी जमानत के लिए गलत कारण बता रहा है और बाहर आकर मोहम्मद बेलीम के परिवार को नुकसान पहुंचा सकता है या भाग सकता है। इसलिए कोर्ट ने तमाम दलीलों को ध्यान में रखते हुए मोहसिन की जमानत अर्जी खारिज कर दी. ऐसे में एक बार फिर उनका आवेदन खारिज कर दिया गया है. इससे पहले करीम खान सैयद समेत उनके तीन बेटों की जमानत अर्जी खारिज हो चुकी है.

अहमदाबाद औसतन 10 इंच बारिश में भीगा, क्योंकि अधिकारी नियंत्रण कक्ष में बैठकर देखते रहे

28 अगस्त, 2024

अहमदाबाद रेन अपडेटः नगर निगम प्रशासन और अहमदाबाद नगर निगम के शासकों की निष्क्रियता के कारण, औसतन दस इंचबारिश से शहर पूरी तरह से बाढ़ग्रस्त हो गया। सोमवार दोपहर जब शहर में भारी से भारी बारिश हुई तो नगर निगम के अधिकारियों ने पालड़ी स्थित स्मार्टसिटी कमांड कंट्रोल सेंटर में बैठकर शहर की दुर्दशा देखी, लेकिन एक भी अधिकारी फील्ड में नहीं गया। स्मार्ट सिटी के गुलबंगानगर निगम के अधिकारी शहर की मौजूदा स्थिति को लेकर मीडिया के सामने आने की हिम्मत तक नहीं कर सके.

रविवार रात से शहर में बारिश शुरू हो गई, दृश्यता कम होने के साथ ही कई इलाकों में काले दिबांग बादलों ने जोरदार बारिश शुरू कर दी. अहमदाबाद के दक्षिण जोन का मणिनगर इलाका हो या उत्तरी जोन का नरोदा इलाका, इन इलाकों में 36 घंटे के दौरान करीब नौ इंच बारिश हुई. इसके बावजूद नगर निगम प्रशासनिक व्यवस्था का एक भी अधिकारी या निवर्तमान या विपक्ष के पार्षद अपने वार्ड क्षेत्र में नहीं घूमे. 1986 में अहमदाबाद में शामिल किए गए उत्तरी जोन के विभिन्न इलाकों के साथ-साथ भोपाल, घुमा, शेला समेत अन्य इलाकों की विभिन्न सोसायटीज को देखकर पूरा शहर मानो अलग-अलग द्वीपों में तब्दील हो गया हो। नगर निगम ने तीन साल पहले ऐसे नजारे का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था.

फिर भी नगर निगम प्रशासनिक व्यवस्था के अधिकारी या शहर के मेयर, डिप्टी मेयर, स्थायी समिति अध्यक्ष समेत पदाधिकारियों ने शहर में भारी बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति के संदर्भ में मगनू का नाम लेने से भी परहेज किया. सोशल मीडिया पर एक पद मा के नाम से फोटो अपलोड करने वाले नगर निगम के भाजपा पार्षदों को सोमवार को भारी बारिश के बाद तेज बुखार होगया। अहमदाबाद नगर निगम प्रशासन के विभिन्न विभागों में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों को एक वर्ष से अधिक समयसेबैठकों के नाम पर कभी रिवरफ्रंट, कभी नगर निगम, कभी वार्ड बैठकों, अधिकांश उप नगर निगम में व्यस्त रखा गया है नगर निगम के आयुक्त और अन्य उच्च अधिकारी लगातार बैठकों में भाग ले रहे हैं, भले ही वार्ड का भूगोल पता नहीं है, लेकिन बारिश के पानी का निपटान कहां से किया जाना चाहिए।

एनएमसी से 11605 क्यूसेक, संत सरोवर से 12262क्यूसेकपानी की आवक के कारण वासा बैराज का स्तर बनाए रखने के लिए गेटनंबर9से 24 तीन फीट और गेट नंबर-25से 29 चार फीट तक खोला गया। बैराज का लेवल 127.50 फीट दर्ज किया गया. अहमदा बाद में मंगलवार,27अगस्त को दोपहर तीन बजे हुई भारीबारिश के 24 घंटे पूरे होने केबाद भी नगर निगम प्रशासन सरसपुर इलाकेमें बारिश के पानी का निपटान करने में विफल रहा. शहर में सोमवार को हुई भारी बारिश के बाद सोला गोमतीपुर इलाके में न्यू कॉटन मिल के पास और सोला इलाके में रामेश्वर अपार्टमेंट के पुनर्विकास कार्य के दौरान बड़ी मात्रा में भूस्खलन हुआ, सूत्रों से पता चला है कि गोमतीपुर वार्ड में 20 फीट तक भूस्खलन हुआ है.

राष्ट्रीय खेल दिवस : राज्य का खेल बजट 20 वर्ष में 141 गुना बढ़ कर 352 करोड़ रुपए हुआ

गांधीनगर (ईएमएस)आज गुजरात के खिलाड़ियों ने खेल-कूद क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन किया है। एक समय था, जब गुजरात की छवि दाल-चावल खाने वालों के रूप में थी और खेल जगत में गुजरात का नाम-ओ-निशान तक नहीं था, परंतु पिछले दो दशकों में गुजरात के युवा खेल-कूद क्षेत्र में आगे आए हैं और उनकी क्षमता में वृद्धि हुई है। इसका श्रेय गुजरात सरकार के अथक प्रयासों को जाता है। राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शितापूर्ण नेतृत्व में अनेक नई पहलें, कार्यक्रम और नीतियाँ शुरू किए गए थे, जिनके तहत एथलीट्स को उचित प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता तथा मान्यता प्रदान की गई है। वर्ष 2002 से पूर्व गुजरात का खेल बजट केवल 2.5 करोड़ रुपए था, जो आज 141 गुना बढ़ कर 352 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। उल्लेखनीय है कि हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस पर भारत में हर वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गुजरात में विभिन्न योजनाओं द्वारा खिलाड़ियों को मिल रहा है प्रोत्साहन

राज्य में खेल-कूद के वातावरण को बढ़ावा देने के लिए गुजरात खेल प्राधिकरण (एसएजी या सैग) द्वारा विभिन्न योजनाएँ कार्यरत हैं। इनमें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, खेल प्रतिभा पुरस्कार, शक्तिदूत योजना, इनस्कूल योजना, डिस्ट्रिक्ट लेवल स्पोर्ट्स स्कूल, खेल महाकुंभ आदि शामिल हैं। खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने के लिए गुजरात सरकार उन्हें योजना के अनुसार कोचिंग, स्पोर्ट्स किट, स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, यात्रा खर्च, पोषण आदि सुविधाएँ प्रदान करती है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने स्पोर्ट्स पॉलिसी 2022-27 लॉन्च की है,

भारी बारिश से जामनगर श्मशान घाट में सात फीट पानी भरा, लकड़ी समेत सामान बहा

जामनगर,28 अगस्त

जामनगर के आदर्श श्मशान घाट में भारी बारिश से बाढ़ का पानी घुसने से दोनों दाह कलशों को भारी नुकसान हुआ है, 1200 मन लकड़ी उखड़ गई है और 10 हजार गोबर के टुकड़े भीग गए हैं. इस बीच दाह संस्कार प्रबंधन समिति की ओर से सफाई कार्य कराया गया है. दूसरी ओर, वर्तमान में जामनगर जिले की 7 राज्य स्वामित्व वाली सड़कें और 47 पंचायत स्वामित्व वाली सड़कें पानी के दोहन के कारण बंद हो गई हैं।

जामनगर के निचले इलाके में स्थित मानेकबाई सुखधाम आदर्श श्मशान में सात फीट पानी भर गया, जिससे पूरा परिसर झील में बदल गया। पानी अधिक बहने के कारण श्मशान घाट में रखे दोनों कलश बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये। जब बिजली पैनल समेत सभी यांत्रिक सामग्रियां पानी में डूब गईं। तेवा में भारी बारिश के बीच पिछले दो दिनों से आग जलाने का सिलसिला रुका हुआ है।

श्मशान प्रबंधन समिति द्वारा एकत्रित कर रखी गई लगभग 1200 मन लकड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसके अलावा 10 हजार गोबर के टुकड़े भिगो दिए गए हैं, जिससे लकड़ी से भी दाह-संस्कार करना असंभव हो गया है. श्मशान घाट में नरकट व कुछ अन्य सामग्री के साथ एक गाय व दो भैंस मृत अवस्था में लायी गयी है. इस बीच, आदर्श शमशान प्रबंधन समिति के सचिव दर्शनभाई ठक्कर सहित एक टीम ने श्मशान से पानी निकालने का काम किया। जबकि आदर्श श्मशान घाट में गणमान्य व्यक्तियों सहित देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं, प्रतिमा के साथ लकड़ी के टकराने से प्रतिमाएं भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

जामनगर जिले में भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है. जलमार्गों, नहरों या पुलों पर जल पुनःपरिसंचरण प्रणालियों के कारण कई मार्ग बंद हो गए हैं। कार्यकारी अभियंता विजय गौस्वामी के मार्गदर्शन में संपर्क अधिकारियों की टीमें भारी बारिश के कारण गिरे पेड़ों सहित बाधाओं को हटाने के लिए दिन-रात काम कर रही हैं, जेसीबी ट्रैक्टर सहित मशीनरी के साथ सड़कों को फिर से खोलने की कोशिश कर रही है। वर्तमान में जामनगर जिले की 7 सड़कें और 47 पंचायत स्वामित्व वाली सड़कें पानी के अत्यधिक दोहन के कारण बंद हैं। जबकि सिस्टम की ओर से इन सड़कों पर सफर न करने और सतर्क रहने की हिदायत दी गई है.

कैबिनेट ने भारतीय रेलवे में कनेक्टिविटी बढ़ाने, यात्रा को आसान बनाने, लॉजिस्टिक्स लागत कम करने, तेल आयात कम करने और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम करने के उद्देश्य से दो नई लाइनों और एक मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना को मंजूरी दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने रेल मंत्रालय की लगभग 6,456 करोड़ रुपये की कुल अनुमानित लागत वाली तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत लगभग 6,456 करोड़ रुपये है और इसे 2028-29 तक पूरा किया जाएगा इन परियोजनाओं से दूर-दराज़ के इलाकों को आपस में जोड़कर लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार लाने, मौजूदा लाइन क्षमता बढ़ाने और परिवहन नेटवर्क का विस्तार करने के साथ-साथ आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा जिससे तेजी से आर्थिक विकास होगा।

नई लाइन के प्रस्तावों से सीधी कनेक्टिविटी बनेगी और आवागमन में सुधार होगा, तथा भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा संबंधी विश्वसनीयता बढ़ेगी। मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएगा और भीड़भाड़ को कम करेगा, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर बेहद जरूरी बुनियादी ढांचे का विकास होगा। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नए भारत की परिकल्पना के अनुरूप हैं, जिनसे विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विकास होगा और लोगों को ठआत्मनिर्भरठ बनाया जा सकेगा और उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना तैयार किए जाने से संभव हुआ है और यह लोगों, वस्तुओं एवं सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ जैसे 4 राज्यों के 7 जिलों में लागू की जाने वाली तीन परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 300 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। इन परियोजनाओं के साथ 14 नए स्टेशनों कानिर्माणकियाजाएगा,जिससे दो आकांक्षी जिलों (नुआपाड़ा और पूर्वी सिंहभूम) को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। नई लाइन परियोजनाओं से लगभग 1,300 गांवों औरलगभग11लाख लोगों को कनेक्टि विटी मिलेगी। मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 1,300 गांवों और लगभग 19 लाख लोगों को कनेक्टिविटी मिलेगी।

ये मार्ग कृषि उत्पादों, उर्वरक, कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, चूना पत्थर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 45 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण के अनुकूल एवं ऊर्जा कुशल परिवहन साधन है और इससे जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने, तेल आयात (10 करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (240 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद मिलेगी, जो 9.7 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

गुजरात में अभी भी भारी बारिश की आशंका, प्रधानमंत्री मोदी ने सीएम भूपेन्द्र पटेल से की बात

अपडेट किया गयाः 28 अगस्त,

गुजरात में भारी बारिश को लेकर सीएम भूपेन्द्र पटेल से पीएम मोदी की टेलीफोनिक बातचीतः पिछले कुछ दिनों से राज्य में हो रही मूसलाधार बारिश के बाद जहां कई इलाकों में बाढ़ के हालात बन गए हैं, वहीं मौसम विभाग ने अगले छह दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है. इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में भारी बारिश के हालात को लेकर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से फोन पर बातचीत की और राज्य में भारी से भारी बारिश के बीच राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी ली.

वहीं मौसम विभाग ने आज (28 अगस्त) कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, बोटाद, जामनगर, राजकोट, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, अमरेली, गिर सोमनाथ, भावनगर जिलों में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि पाटन, अहमदाबाद, आनंद, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, नवसारी, डांग और वलसाड जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। इसके अलावा मध्य और उत्तर गुजरात के बनासकांठा, मेहसाणा, साबरकांठा, अरावली, खेड़ा, गांधीनगर, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, वडोदरा, छोटा उदेपुर जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अपने सोशल मीडिया माध्यम 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में भारी बारिश की स्थिति को लेकर मुझसे टेलीफोन पर बातचीत की और राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी ली. प्रधानमंत्री ने नागरिकों के जीवन और पशुधन की सुरक्षा के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही, गुजरात को केंद्र सरकार की ओर से सभी आवश्यक समर्थन और सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया गया। प्रधानमंत्री गुजरात को लेकर चिंतित हैं और लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं.उनके दिल में गुजरात के लोगों के प्रति गहरा स्नेह है।' प्राकृतिक आपदाओं के दौरान और जब भीजरूरत पड़ी वह हमेशा राज्य के लोगों के साथ खड़ी रही हैं।'

राज्य में पिछले तीन दिनों से भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है, जिससे राज्य के कई निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। साथ ही कुछ इलाकों में बाढ़ के हालात भी बन गए हैं. वहीं, मौसम विभाग ने 29 अगस्त तक राज्य में रेड अलर्ट जारी किया है. इस बीच, भूपेन्द्र पटेल ने राज्य के प्रमुख शहरों के जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक ऑनलाइन बैठक की। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक कल (29 अगस्त) सौराष्ट्र के 12 जिलों कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, राजकोट, जामनगर, बोटाद, भावनगर, अमरेली, जूनागढ़, गिर सोमनाथ में भारी बारिश के कारण रेड अलर्ट घोषित किया गया है। , देवभूमि द्वारका और पोरबंदर जिले।

रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए चार रेल कर्मचारी सम्मानित

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक श्री सुधीर कुमार शर्मा ने मंडल के 04 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को डयूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री उमेश प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री एम. ए .हासमी-ट्रेन मेनेजर पालनपुर, श्री शुभम कुमार महतो-पॉइंट्समेन, साबरमती, श्री राहुल प्रजापति-सहायक लोको पायलट गांधीधाम, श्री चंद्रकांत मकवाना-लोको पायलट, गांधीधाम ने अप्रत्याशित घटनाओं जैसे कोच के व्हील से धुआं और आग निकलते हुए, कप्लर की हाइट में बहुत अधिक अंतर एवं व्हील की स्प्रिंग टूटी हुई देखने पर तुरन्त उचित कार्यवाही करके अप्रत्याशित घटना और संभावित क्षति से बचाया है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री सुधीर कुमार शर्मा ने इन सजग सरंक्षा रेल प्रहरी की हौसला अफजाई की। और कहा कि यात्रियों की सरंक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है एवं जब रेलकर्मी अपनी डयूटी के दौरान सजगता और सतर्कता से काम करते हैं तो हमें सेफ ट्रेन वर्किंग में मदद मिलती है। हमें इन रेल कर्मियों पर गर्व है।

शानदार सफर का नया दौर : ऑल-न्यू टीवीएस जूपिटर 110 - बेजोड़ डिजाइन, जबरदस्त परफॉर्मेंस, सुविधा के साथ पूरा आराम

अहमदाबाद, 28 अगस्त, 2024: टूव्हीलर और थ्रीव्हीलर बनाने में दुनिया की नामी कंपनियों में से एक टीवीएस मोटर कंपनी (टीवीएसएम) ने आज ऑल-न्यू टीवीएस जूपिटर 110 लॉन्च किया है। यह स्कूटर नेक्स्ट जनरेशन के इंजन और भविष्य के लिहाज से सेगमेंट में पहली बार पेश किए गए कई फीचर्स से लैस है। ऑल-न्यू टीवीएस जूपिटर 110 'ज्यादा' के सार को दर्शाता है - ज़्यादा स्टाइल, माइलेज, प्रदर्शन, आराम, सुविधा, सुरक्षा और तकनीक।

टीवीएस जूपिटर एक अटूट साथी के रूप में अपने 65 लाख ग्राहकों की कई तरह की जरूरतों को लगातार पूरा करता आया है।

लॉन्च के मौके पर टीवीएस मोटर कंपनी के सीनियर वाइस - प्रेसिडेंट, हेड कम्यूटर बिजनेस और हेड कॉरपोरेट ब्रांड और मीडिया श्री अनिरुद्ध हलधर ने कहा, 'टीवीएस जुपिटर 110 पिछले एक दशक से टीवीएस मोटर स्कूटर पोर्टफोलियो का अगुवा रहा है। समय के साथ, 65 लाख परिवारों ने इस उत्पाद में अपना विश्वास जताया है, जिससे यह भारत के सबसे बड़े ऑटोमोटिव ब्रांडों में से एक बन गया है।' ज्यादा का फायदा के मूल मंत्र को नए सिरे से तैयार किए गए ऑल-न्यू टीवीएस जुपिटर द्वारा और मजबूत किया गया है। मांग पर टॉर्क देने की क्षमता, उपयोग के लिए ज्यादा जगह, बेहतर ईंधन दक्षता, आज के जमाने का डिजाइन, स्कूटर को अपनी श्रेणी में अलग बनाता है। हमारी यह नई पेशकश ग्राहकों को खुश रखना जारी रखेगी टीवीएस जूपिटर ब्रांड के लिए प्रेम और बढ़ेगा।

परफॉर्मेंस

टीवीएस जूपिटर 110 में 113.3 सीसी, सिंगल सिलेंडर, 4 स्ट्रोक इंजन है जो 6500 आरपीएम पर 5.9 किलोवाट की पावर और 5,000 आरपीएम पर 9.8 एनएम (आईगो असिस्ट के साथ) और 5,000 आरपीएम पर 9.2 एनएम (असिस्ट के बिना) का टॉर्क उत्पन्न करता है। स्कूटर की नई तकनीक अपने पूर्ववर्ती की तुलना में 10ऱ ज्यादा माइलेज देती है। इसका श्रेय जाता है आईजीओ असिस्ट तकनीक को। इसमें ऑटो स्टार्ट-स्टॉप कार्यक्षमता और आईएसजी (इंटीग्रेटेड स्टार्टर जेनरेटर) के साथ एक बुद्धिमान इग्निशन सिस्टम है जिसका उद्देश्य ओवरटेकिंग और चढ़ाई के दौरान बेटरी से बिजली का उपयोग करके परफॉर्मेंस को बढ़ाना है। यह आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त एक्सीलेटर की सुविधा प्रदान करता है। उत्कृष्टता की मिसाल

स्टाइल और जोशः इनफिनिटी लैंप के साथ ,चॉइस : छह खूबसूरत रंगों की रेंज के साथ।

अहमदाबाद में अल्ट्रावॉयलेट के यूवी स्पेस स्टेशन एक्सपीरियंस सेंटर का शुभारंभ

अहमदाबाद, 28 अगस्त, 2024:अल्ट्रावॉयलेट (यूवी) ने 'मेकिंग इन इंडिया, फॉर द वर्ल्ड' (भारत में निर्माण, विश्व के लिए) के अपने चार्टर को जारी रखते हुए, अहमदाबाद में अपना नवीनतम यूवी स्पेस स्टेशन एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया है। हाल ही में पुणे में लॉन्च के बाद, अहमदाबाद पूरे भारत में यूवी के नियोजित विस्तार का तीसरा शहर है। ब्रांड का अहमदाबाद एक्सपीरियंस सेंटर पूरे भारत में मोटरसाइकिल के प्रति विशेष रुझान रखने वाले लोगों को बेहतर अनुभव देने के लिए अल्ट्रावॉयलेट की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है।

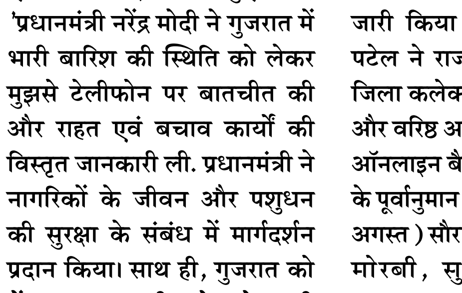

अहमदाबाद में यूवी स्पेस स्टेशन के लॉन्च पर, नारायण सुब्रमण्यम, सीईओ और को-फाउंडर, अल्ट्रावॉयलेट, ने कहा, ठभारत में डिज़ाइन और निर्मित किए गए हमारे एफ77 और एफ77 माक2 मॉडल्स को उच्चतम मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। अल्ट्रावॉयलेट का नया एक्सपीरियंस सेंटर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'भारत में डिज़ाइन, दुनिया के लिए डिज़ाइन' दृष्टिकोण पर प्रकाश डालता है, जो विश्व में भारत के प्रभाव के साथ स्थानीय नवाचार के मिश्रण की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अहमदाबाद के मकरबा में एक्सपीरियंस सेंटर अर्थ एराइज़, शॉप 2, ग्राउंड फ्लोर, एसजी हाईवे सर्विस रोड, मकरबा, अहमदाबाद, गुजरात-380015 में स्थित यह नया स्टेशन, शहर का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल शोरूम है। इतना ही नहीं, यह पूरे गुजरात में अपनी तरह का पहला शोरूम है। इस वर्ष दिवाली तक, अल्ट्रावॉयलेट का लक्ष्य भारत के 10 अन्य शहरों में अपनी पहुँच स्थापित करना है। अहमदाबाद का यह नवीनतम शोरूम, पुणे शोरूम के लॉन्च के कुछ ही हफ्तों बाद शुरू किया गया है। यह दुनिया भर में 50 फ्यूचरिस्टिक एक्सपीरियंस सेंटर्स स्थापित करने ब्रांड के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

उद्घाटन समारोह में श्री प्रवीण नाहर, डायरेक्टर, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ डिज़ाइन (एनआईडी), अहमदाबाद, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने भारत की तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने में डिज़ाइन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। अपने बढ़ते ग्राहक आधार और नई टेक्नोलॉजीस को अपनाने के रूप में अहमदाबाद, अल्ट्रावॉयलेट के लिए एक प्रमुख स्थान है।

इरेडा औरभेल ने भारत में नवीरकणीय ऊर्जा के विकास को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त प्रयासों पर की चर्चा

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 2024

इंडियन रीन्युएबल एनर्जी डेवलपमेन्ट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) और भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने देश में नवीकरणीय ऊर्जा के विकास को गति प्रदान करने के लिए आपसी सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। आज आयोजित एक बैठक के दौरान इरेडा के सीएमडी श्री प्रदीप कुमार दास और भेल के सीएमडी श्री कोप्पु सदाशिव मूर्थि ने 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन की 500 गीगावॉट इंस्टॉल्ड विचार-विमर्श किया।

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लीडरों ने भारत सरकार के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को समर्थन प्रदान करने की योजनाओं पर ध्यान केन्द्रित किया और इसके लिए आपसी सहयोग के महत्व पर ज़ोर दिया। भेल के डायरेक्टर (फाइनैंस) श्री राजेश कुमार द्विवेदी ने भी बैठक में हिस्सा लिया और चर्चा के दौरान अपने विचार प्रस्तुत किए।

आपसी सहयोग के महत्व पर ज़ोर देते हुए इरेडा के सीएमडी ने कहा, ''इरेडा और भेल के बीच का तालमेल भारत के महत्वाकांक्षी उर्जा लक्ष्यों में योगदान देगा।

दोनों संगठनों ने नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर की चुनौतियों का समाधान करने तथा स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण में योगदान के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर सोमवार, 02 सितंबर, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, अगस्त 28, 2024: गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड टेक्निकल स्प्रिंग्स का कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर है। कंपनी ने अपनी पहली इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के लिए रू.10/- फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड रू.503/- से रू.529/- तय किया है। कंपनी का घ्ध्ह् सोमवार, 02 सितंबर, 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और और बुधवार, 04 सितंबर, 2024 को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 28 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। उसके बाद 28 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकती है।

घ्ध्ह् में 25,58,416 इक्विटी शेयरों का फेस इश्यू और प्रमोटर ग्रुप सेलिंग शेयरधारकों और व्यक्तिगत सेलिंग शेयरधारकों द्वारा 6,16,000 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है।

किरीट विशनजी गाला की लीडरशिप में, गाला प्रिसिजन एक टेक्नोलॉजी ड्रिवन कंपनी है जिसका क्वालिटी, डिजाइन टूल डेवलपमेंट और एप्लिकेशन इंजीनियरिंग पर स्ट्रॉन्ग फोकस है। अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए कस्टोमाइज्ड प्रोडक्ट डेवलप करने में इसके पास 3 दशकों से अधिक का अनुभव है और विंड टर्बाइनों के लिए डोमेस्टिक एइए मार्केट में इसकी लगभग 15ऱ बाजार हिस्सेदारी है।

इसके टेक्निकल स्प्रिंग्स और हाई टेंसाइल फास्टनर्स को जर्मनी, डेनमार्क, चीन, इटली, ब्राजील, अमेरिका, स्वीडन, स्विट्जरलैंड आदि देशों में ग्राहकों को सप्लाई की गई है। तदनुसार, यह र्धें के लिए ग्लोबल सप्लाई चेन में एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

कंपनी अपना बिजनेस वाडा, पालघर, महाराष्ट्र में स्थित अपनी दो मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी से ऑपरेट करती है। इसके अलावा, यह अपने मौजूदा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और नए प्रोडक्ट को जोड़ने के लिए विभिन्न हाई-टेंसाइल फास्टनर्स को डेवलप करने के लिए वल्लम-वडागल, एसआईपीसीओटी, श्रीपेरंबदुर, तमिलनाडु में एक नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी भी स्थापित कर रहा है।

पीएल कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर है और लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ऑफर का रजिस्ट्रार है। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट करने का प्रस्ताव है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95